मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 109
गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बड़ी संख्या में आतंकवादियों को मार गिराया गया: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को दावा किया कि भारत-पाकिस्तान सीमा पार चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में अच्छी-खासी संख्या में पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई उस समय की गई जब पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की हत्या से पूरे देश में आक्रोश था।

दरभंगा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हम पड़ोसी पाकिस्तानी को सबक सिखा चुके हैं क्योंकि उन्होंने हमारे नागरिकों को मारा था। सिंह ने कहा कि आतंकवादियों ने कश्मीर के पर्यटन स्थल में धर्म पूछने के बाद निर्दोष नागरिकों की हत्या की थी।

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि भारत ने संयम दिखाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत जात-धर्म आधारित राजनीति में नहीं विश्वास करता। उन्होंने कहा कि भारत की राजनीति न्याय और मानवता पर आधारित है। सिंह ने कहा कि भारत पूरे विश्व को एक परिवार मानता है और वसुधैव कुटुम्बकम के मंत्र में विश्वास करता है। उन्होंने कहा, हमारे ऋषियों ने कभी नफरत नहीं सिखाई।

सिंह ने यह भी याद दिलाया कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के बैंक खातों में सीधे पैसे ट्रांसफर किए, तो उन्होंने यह नहीं पूछा कि वह हिंदू हैं या मुस्लिम और यही इस देश की आत्मा है। रक्षा मंत्री ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर का लक्ष्य स्पष्ट था- आतंकवादियों के शिविरों को निशाना बनाना जिन्होंने हमारे लोगों को मारा था।

उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति सिर्फ प्रहार करने में नहीं, बल्कि मानवता, न्याय व संयम से कार्रवाई करने में निहित है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की विश्व मंच पर भारत की प्रतिष्ठा बहाल करने की क्षमता की प्रशंसा की।

अप्रैल में पहलगाम की बैसरण घाटी में आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें पर्यटन शामिल थे। इसके जवाब में मई में भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान एवं पाक-नियंत्रित कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया था।

राहुल गांधी ने की पीएम मोदी की आलोचना

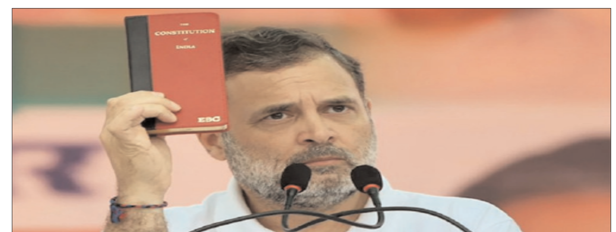

मुजफ्फरपुर, 29 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव अभियान की धमाकेदार शुरूआत करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। मुजफ्फरपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी वोट के लिए 'कुछ भी' कर सकते हैं, यहां तक कि मंच पर नाच भी सकते हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करते हुए कहा, 'अगर आप नरेंद्र मोदी से कहेंगे कि वोट के लिए नाचो, तो वे मंच पर नाचेंगे।' उन्होंने प्रधानमंत्री पर छठ पूजा और यमुना से जुड़े धार्मिक आयोजनों का इस्तेमाल केवल वोट बटोरने के लिए करने का आरोप लगाया।

राहुल गांधी ने दावा किया कि पीएम मोदी और उनकी पार्टी चुनाव चुराने में लगे हैं। उन्होंने कहा, 'उन्होंने महाराष्ट्र में चुनाव चुराया, उन्होंने हरियाणा में चुनाव चुराया, और वे बिहार में भी पूरी कोशिश करेंगे।' राहुल ने कहा कि पीएम मोदी को केवल 'आपका वोट चाहिए' और उनका धर्म या संस्कृति से कोई लेना-देना नहीं है।

राहुल गांधी के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा नेता नलिन कोहली ने कांग्रेस नेता पर पलटवार किया। कोहली ने कहा कि राहुल गांधी 'अक्सर अनुचित शब्दों का इस्तेमाल करते हैं' और पीएम मोदी के लिए 'गालियों' के अलावा उनके पास कोई और एजेंडा नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता लगातार प्रधानमंत्री मोदी और राज्यों में 'डबल इंजन' की सरकार को वोट दे रही है।

नलिन कोहली ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों पर भी बात की और कांग्रेस पर निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'क्या मृत व्यक्ति का नाम, या दो बार नाम या किसी घुसपैठिए का नाम मतदाता सूची में रहना चाहिए? संविधान में आस्था रखने वाले लोग इसका विरोध कैसे कर सकते हैं?'

उर्दू सबसे खूबसूरत भाषा, प्रगति के लिए हिंदू-मुस्लिम सद्भाव अहम: किरेन रीजीजू

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को उर्दू को दुनिया की सबसे खूबसूरत भाषा बताया और कहा कि देश की प्रगति और एकता के लिए हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सद्भाव आवश्यक है।

जामिया मिलिया इस्लामिया के 105वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए उन्होंने भारत की साझी संस्कृति और लोकतांत्रिक भावना को प्रतिबिंबित करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रशंसा की।

मंत्री ने कहा, विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य हमारे राष्ट्र के मूल्यों को खूबसूरती से दशार्ता है। मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा कि महात्मा गांधी और सरोजिनी नायडू जैसी महान हस्तियों ने इस विश्वविद्यालय की स्थापना के समय इसका समर्थन किया था।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन की सराहना करते हुए रीजीजू ने कहा कि वह इसके अकादमिक रिकॉर्ड और राष्ट्रीय रैंकिंग से बेहद प्रभावित हैं। लोकतंत्र में खुली बहस के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, हमारे लोकतंत्र में लोग अपने विचार आक्रामक रूप से व्यक्त करते हैं, जिससे कभी-कभी ध्रुवीकरण पैदा होता है। लेकिन यह तब तक बुरा नहीं है जब तक कि इससे देश को नुकसान न हो। रीजीजू ने कहा कि संसद में अक्सर शोर-शराबे वाली बहसें होती हैं, फिर भी यह विविध विचारों को व्यक्त करने का सबसे अच्छा मंच है। उन्होंने कहा, संसदीय कार्य मंत्री के रूप में सदन चलाना कभी-कभी कठिन होता है। लेकिन संसद में अराजकता एक जीवंत लोकतंत्र की निशानी है। उन्होंने कहा कि व्यवधानों के बावजूद, महत्वपूर्ण कानून अंततः राष्ट्रहित में पारित होते हैं। मंत्री ने भारत की संवैधानिक शक्ति और विविधता पर भी जोर दिया।

स्वाभिमान किसी शक्ति से बड़ा, महाराणा प्रताप का बलिदान युगों-युगों तक गूंजेगा: ओम बिरला

कोटा, 29 अक्टूबर। कोटा के रामगंज मंडी में एक भव्य समारोह में महाराणा प्रताप की विशाल घुड़सवार प्रतिमा का अनावरण किया गया, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर जैसी प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। अध्यक्ष बिरला ने महाराणा प्रताप की विरासत की प्रशंसा की, हल्दीघाटी के युद्ध के दौरान उनकी अटूट निष्ठा का उल्लेख किया और बताया कि किस प्रकार उनका नेतृत्व भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और आत्मसम्मान की भावना को प्रेरित करता है। इस अनावरण से भारतीय सांस्कृतिक गौरव पर महाराणा प्रताप के अमिट प्रभाव को रेखांकित किया गया, तथा वंशजों और अधिकारियों ने उनकी वीरता और न्याय एवं समानता के प्रति प्रतिबद्धता को सिखाने के महत्व पर बल दिया।

राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, महाराणा प्रताप के वंशज विश्वराज सिंह मेवाड़ सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस समारोह में उपस्थित थे। बिरला ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्वाभिमान किसी भी शक्ति या वैभव से बढ़कर है। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध में एक शक्तिशाली सेना के खिलाफ लड़ते हुए महाराणा प्रताप के हृदय में प्रज्वलित ज्वाला ने ही मुगल सल्तनत के अहंकार को कुचल दिया था।

बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल मेवाड़ ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के गौरव हैं और उनका जीवन एक प्रकाश स्तंभ है, जो हमारी आंतरिक शक्ति को सदैव नयी ऊर्जा प्रदान करता रहेगा। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि महाराणा प्रताप का नाम सुनते ही प्रत्येक भारतीय के हृदय में गौरव और श्रद्धा की भावना जागृत हो जाती है। उन्होंने कहा कि हाड़ौती में महाराणा प्रताप की प्रतिमा उस राजा के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का प्रतीक है, जिन्होंने अपनी मातृभूमि के सम्मान और गौरव के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व केवल शक्ति से नहीं, बल्कि नीति, न्याय और करुणा से किया जाता है। उन्होंने कहा, जब महाराणा प्रताप ने युद्ध के बाद भी अपनी प्रजा की रक्षा को सर्वोच्च माना, तो उन्होंने यह उदाहरण प्रस्तुत किया कि एक राजा का कर्तव्य केवल शासन करना नहीं, बल्कि लोक कल्याण की रक्षा करना भी होता है।

कोटा से सांसद बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप के शासन में जाति, वर्ग या पंथ का कोई भेदभाव नहीं था। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के शासन में सभी के लिए समान न्याय और सम्मान का वातावरण था, जो आज के लोकतांत्रिक भारत की आत्मा से गहराई से जुड़ा हुआ है। बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप ने विपरीत परिस्थितियों में भी स्वशासन और स्वाभिमान का जो असाधारण उदाहरण स्थापित किया, वह आज भी हमारे राष्ट्र का मार्गदर्शन करता है।

नासिक में एसयूवी के पलटने से तीन लोगों की मौत, चार घायल

नासिक, 29 अक्टूबर। महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक एसयूवी के पलट जाने से उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि गुजरात में पंजीकृत एसयूवी मंगलवार रात करीब 11 बजे येओला तालुका में नासिक-छत्रपति संभाजीनगर राजमार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अधिकारी ने बताया कि रायते और एरंडगांव शिवार की सीमा पर साईं पूजा होटल के पास एक दोपहिया वाहन को बचाने की कोशिश में एसयूवी चला रहे व्यक्ति ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।

एसयूवी सड़क के डिवाइडर से टकराकर पलट गई। पुलिस ने बताया कि एसयूवी में सवार सात लोगों में से दो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों में से एक की बाद में नासिक के जिला अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि एसयूवी में सवार सभी लोग पड़ोसी राज्य गुजरात में सूरत के निवासी हैं। घायलों की हालत गंभीर होने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

नर्मदा नदी में छोड़े जाएंगे मगरमच्छ, मध्यप्रदेश सरकार संरक्षण के लिए है प्रतिबद्ध: मोहन यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार मां नर्मदा के पवित्र वाहन माने जाने वाले मगरमच्छों को इस नदी में छोड़ने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रही है। नर्मदा नदी का प्रवाह मगरमच्छों के आवास के लिए बेहद अनुकूल माना जाता है। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि बृहस्पतिवार को इन सरीसृपों को नदी में छोड़ा जाएगा। यादव इस उद्देश्य के लिए बृहस्पतिवार को खंडवा जिले के नर्मदानगर का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सभी प्रजातियों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य में वन्यजीवों और जलीय प्रजातियों, जिनमें घड़ियाल और मगरमच्छ शामिल हैं।

विश्व शहर दिवस- 31 अक्टूबर 2025

शहर जहां सौन्दर्य, संभावनाएं एवं संवेदनाएं बिछी हो

-ललित गर्ग

विश्व शहर दिवस हर साल 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य शहरीकरण में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की रुचि बढ़ाना, शहरीकरण की चुनौतियों का समाधान करने में देशों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना और सतत विश्व नगर योजना को अधिक मानवीय, अपराधमुक्त एवं पर्यावरण संपोषक बनाना है। यह दिवस पहली बार 2014 में मनाया गया था। इसका उद्देश्य शहरीकरण के रुझानों, चुनौतियों और सतत शहरी विकास के दृष्टिकोण के बारे में अंतर्राष्ट्रीय जागरूकता बढ़ाना, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और समतामूलक, समृद्ध, टिकाऊ और समावेशी शहरों के निर्माण के वैश्विक प्रयासों में योगदान देना है जो अपने समुदायों को बेहतर रहने का वातावरण और जीवन की गुणवत्ता प्रदान करते हैं। इस वर्ष विश्व शहर दिवस का वैश्विक आयोजन कोलंबिया के बोगोटा में ह्यजन-केंद्रित स्मार्ट सिटीजह्न थीम पर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर यह प्रदर्शित किया जाएगा कि डेटा-आधारित निर्णय लेने, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग शहरी जीवन को बेहतर बनाने और वर्तमान झटकों व संकटों से उबरने के लिए कैसे किया जा सकता है। इस अवसर पर जन-केंद्रित स्मार्ट सिटी पहलों को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। निश्चित ही शहर उस उम्मीद का माध्यम बने, जहां सौन्दर्य एवं संवेदनाएं अनेक रूपों में बिछी हो, जहां कुछ नया और कुछ पुराना, पर सब मनमोहक हो।

इस वर्ष का विषय इस बढ़ती मान्यता को दशार्ता है कि डिजिटल तकनीकों की परिवर्तनकारी शक्ति वैश्विक स्तर पर शहरी जीवन को नया रूप दे रही है और शहरों और मानव बस्तियों के डिजाइन, नियोजन, प्रबंधन और संचालन के तरीकों को बेहतर बनाने के लिए व्यापक अवसर प्रदान कर रही है। अभिनव विकास, जनोन्मुखी स्मार्ट शहर का निर्माण केन्द्रित थीम शहरी और डिजिटल दोनों तरह के बदलावों से चिह्नित इस युग में, शहर निवासियों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने और महत्वपूर्ण शहरी चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने के लिए डिजिटल तकनीकी समाधानों और डेटा को तेजी से अपनाने पर बल देती हैं। ह्लसशक्त समुदाय, समृद्ध शहरह्न को बल देते हुए यह दिवस समुदायों को जागरूक, सहयोगी और आत्मनिर्भर करने की पहल है ताकि शहर वास्तव में विकसित, संस्कृतिमय और समृद्ध बन सके। आज जब पूरी दुनिया तीव्र गति से शहरीकरण की ओर बढ़ रही है, तब यह दिवस आत्ममंथन का अवसर बन गया है कि क्या हमारे शहर केवल कंक्रीट की इमारतों और चकाचौंध का विस्तार बन रहे हैं या उनमें मानवीय संवेदनाओं, संस्कृति, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक समरसता का पोषण भी हो रहा है।

भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत, विकसित भारत को विकसित करते हुए शहरीकरण का एक नया मॉडल प्रस्तुत हुआ है, जिसने शहरों के विकास को केवल भौतिक संरचनाओं तक सीमित न रखकर जीवन मूल्यों और नागरिक सहभागिता से जोड़ा है। अमृत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वस्थ भारत मिशन, स्मार्ट शहर योजना और स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं ने शहरों के ढांचे में नई चेतना का संचार किया है। इन योजनाओं ने यह साबित किया है कि जब सरकार की नीतियों में जनता की भागीदारी और पारदर्शिता जुड़ती है तो विकास केवल आंकड़ों में नहीं, व्यवहार में भी दिखने लगता है। शहरीकरण का अर्थ केवल ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़के और चमकदार बाजार नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें जीवन स्तर, विचार और व्यवहार की गुणवत्ता निहित होती है। शहरों ने मनुष्य को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा दी है, लेकिन इसी के साथ प्रदूषण, भीड़, तनाव, अपराध, असमानता और मानवीय रिश्तों की दूरी भी दी है। हर बड़ा शहर आज सांस लेने के लिए हवा, पीने के लिए स्वच्छ पानी और जीने के लिए शांति तरस रहा है। विकास के नाम पर प्रकृति का ह्रास हो रहा है और भौतिक प्रगति के साथ मानसिक थकान बढ़ रही है।

भारत के प्राचीन नगर जैसे काशी, उज्जैन, पुष्कर, मथुरा और अयोध्या केवल व्यापारिक या राजनीतिक केंद्र नहीं थे, वे संस्कृति, अध्यात्म और सह-अस्तित्व की जीवंत प्रयोगशालाएं थे। वहां नगर का अर्थ केवल रहने की जगह नहीं, जीने की कला था। आज के नगर यदि इन मूल्यों को फिर से अपनाएं तो वे केवल आधुनिक ही नहीं, मानवीय भी बन सकते हैं। पश्चिम के देशों में शहरीकरण तकनीकी दक्षता और सुविधाओं की दृष्टि से आगे है, पर वहां मानवीय ऊष्मा और आत्मीयता का अभाव है। भारत यदि अपने शहरीकरण में मानवता, पर्यावरण और संस्कृति का संगम बनाए रखे तो वह पूरी दुनिया के लिए एक आदर्श प्रस्तुत कर सकता है। शहर तब सचमुच जीवंत बनेंगे जब उनमें रहने वाले लोग पर्यावरण के प्रति संवेदनशील, सामाजिक रूप से जागरूक और मानवीय दृष्टि से समर्पित होंगे। प्रदूषण को रोकना, हरियाली बढ़ाना, स्वच्छता को जीवनचर्या बनाना, झुग्गी बस्तियों को सम्मानजनक आवास देना, जनसहभागिता और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना ही वास्तविक शहरीकरण का मार्ग है।

भारत के शहर आज तेजी से बदल रहे हैं। मेट्रो, ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कों और चमकदार मॉलों ने इनका नया चेहरा गढ़ दिया है। यह परिवर्तन विकास की चमक दिखाता है, पर इसके भीतर एक गहरी पीड़ा भी छिपी है। कहीं न कहीं शहरों की आत्मा, उनकी पहचान, उनकी गर्माहट खोती जा रही है। जो गलियां कभी अपनत्व और रिश्तों की खुशबू से महकती थीं, वे अब भागदौड़, भीड़ और उदासीनता का प्रतीक बन गई हैं। स्वतंत्रता के बाद भारत ने आधुनिकता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए, पर इस भौतिक विकास की दौड़ में मानवीय संवेदनाएं और सामाजिक संबंध पीछे छूट गए। शहरों का विस्तार अब मनुष्य की जरूरतों के बजाय बाजार की मांगों के अनुसार हो रहा है। नई कॉलोनियाँ और ऊँची इमारतें पुराने मोहल्लों की जगह ले रही हैं, पर उनके भीतर वह आत्मीयता एवं संवेदनशीलता नहीं जो कभी लोगों के दिलों को जोड़ती थी। शहर अब केवल रहने की जगह नहीं रहे, वे उपभोक्तावाद और प्रतिस्पर्धा के केंद्र बन गए हैं। आधुनिकता ने सुविधा तो दी है, पर उसने संस्कृति, इतिहास और परंपरा के रंग फीके कर दिए हैं। स्मृतियों के जिन चौकों पर कभी संवाद और संवेदना का संसार बसता था, वहाँ अब केवल मशीनों की आवाजें और जल्दबाजी का शोर है। नई पीढ़ी के लिए शहर अब केवल रोजगार, ग्लैमर और अवसर का माध्यम हैं। उसमें अपने शहर की आत्मा को समझने का भाव कम होता जा रहा है। यह सवाल अब और गहराता जा रहा है कि क्या विकास का अर्थ केवल ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कें और मॉल हैं, या फिर उसमें मानवीय रिश्तों की ऊष्मा, संस्कृति और इतिहास का जीवंत अहसास भी शामिल होना चाहिए? आज के शहर चमकते तो हैं, पर भीतर से कहीं खाली हैं। उनमें सुविधाएँ हैं पर सुकून नहीं, रफ्तार है पर रूह की स्थिरता नहीं। यह समय हमें सोचने पर विवश करता है कि क्या हम ऐसे शहर बना रहे हैं जहाँ मनुष्य के लिए जगह बची रहे, जहाँ इतिहास और संवेदना साथ-साथ सांस ले सकें। असली विकास वही होगा जहाँ शहरों का विस्तार हो, पर इंसानियत की जड़ें भी उतनी ही गहरी बनी रहें। विश्व शहर दिवस का संदेश यही है कि शहर केवल दीवारों और सड़कों का जाल नहीं, बल्कि जीवन की एक संस्कृति हैं। जब शहर में रहने वाला नागरिक अपने भीतर संवेदनशीलता, सादगी और सामाजिक उत्तरदायित्व को जाग्रत रखता है, तभी वह शहर वास्तव में सुंदर बनता है। शहर की सुंदरता उसकी इमारतों में नहीं, बल्कि वहां रहने वाले मनुष्यों के विचारों, व्यवहारों और संवेदनाओं में बसती है। जब समुदाय सशक्त होंगे, तब ही शहर समृद्ध होंगे, और जब शहर समृद्ध होंगे, तब ही मानवता सचमुच प्रगतिशील होगी।

'झूठ की बिसात' पर सत्ता की 'कारगुजारियां'

निर्मला रानी

बिहार में विधान सभा चुनावों की गहमागहमी के बीच चुनाव प्रचार तेज हो गया है। सत्ता और विपक्ष दोनों ही ओर से स्टार प्रचारकों द्वारा एक दूसरे को नीचा दिखाने व एक दूसरे पर लांछन लगाने का खेल जारी है। इसी मुहिम के तहत जनता के बीच भरपूर 'झूठ' भी परोसा जा रहा है। कभी कभी तो ऐसा लगता है कि 'झूठ ' का सबसे गहरा रिश्ता राजनेताओं से ही है। मिसाल के तौर पर महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव ने हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का वादा किया है। इसके अतिरिक्त सभी जीविका दीदियों की नौकरी को स्थाई करने व कम से कम 30,000 मासिक वेतन देने और जीविका योजना के तहत 2 साल बिना ब्याज ऋण दिए जाने का भी वादा किया है। इसके अतिरिक्त सभी संविदा, नियोजित और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को स्थायी करना,पुरानी पेंशन योजना को पुनः लागू करना,,महिलाओं को 2,500 मासिक सहायता, हर परिवार को 200 यूनिट मुफ़्त बिजली,वृद्धजनों, विधवाओं और दिव्यांगों को 1,500 मासिक ,प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए फॉर्म शुल्क मुआफ करने और परीक्षा केंद्र तक मुफ़्त यात्रा,किसानों को सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी,जैसे अनेक ऐसे वादे किये गये हैं जिन्हें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन तेजस्वी यादव का हवाई किला बता रहा है। क्योंकि राज्य का बजट इतने बड़े खर्च को उठा पाने की स्थिति में नहीं है। परन्तु ऐसे सवालों पर तेजस्वी फरमाते हैं कि हम आउट ऑफ बॉक्स सोचते हैं₹। गोया वादा करने वालों की नजर में यह सोच 'आउट ऑफ बॉक्स ' वाली है तो महागठबंधन की नजर में इस तरह के वादे झूठ बल्कि महाझूठ हैं।

अब देखिये बिहार चुनाव से जुड़ी सत्ता की बानगियाँ। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान खगड़िया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुये कहा कि नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार जैसे नेताओं पर चार आने का भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा है। उन्होंने राजग राज को विकास का राज₹ बताया और विपक्ष को लठबंधन का नाम दिया। अमित शाह ने जोर देकर कहा कि केवल नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार, जिन पर चार आने का भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है, बिहार का विकास कर सकते हैं।₹ इसके पहले भी कई बार स्वयं प्रधानमंत्री मोदी,गृह मंत्री व मुख्यमंत्री नितीश कुमार 'भ्रष्टाचार मुक्त ' सरकार के दावे हैं जबकि 20 वर्ष पुराने लालू राज को जनता को याद दिलाकर महागठबंधन के प्रति भय पैदा करने की कोशिश करते रहते हैं। परन्तु इनके भ्रष्टाचार मुक्त व सुशासन राज होने जैसे फर्जी दावों की कलई प्रमाण सहित प्रशांत किशोर अक्सर खोलते रहते हैं। याद कीजिये पिछले 5 वर्षों के भीतर इसी बिहार में और इसी मोदी-नितीश काल में एक दो नहीं बल्कि अनेक बड़े पुल ध्वस्त हो गये। कई निमार्णाधीन थे तो कई उद्घाटन की प्रतीक्षा में तो कई ऐसे जिनका कुछ समय पूर्व ही उद्घाटन किया गया था। भ्रष्टाचार का इससे बड़ा सुबूत और क्या चाहिये? जनता के टैक्स के हजारों करोड़ रुपए ऐसे भ्रष्ट निर्माण की भेंट चढ़ने के बावजूद यह दावा करना कि केवल नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार, जिन पर चार आने का भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है, इससे बड़ा झूठ और मजाक जनता के साथ और क्या हो सकता है? बिहार में भ्रष्टाचार के ऐसे और भी अनेक उदाहरण हैं।

इसी तरह बिहार चुनाव की बेला में ही रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने गत 18 अक्टूबर को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया और इस दौरान उन्होंने ट्रेन में यात्रियों से बातचीत भी की। खबरों के अनुसार उन्होंने यात्रियों को आश्वासन दिया कि दीपावली व छठ जैसे त्योहारों के दौरान कोई कमी नहीं होगी और रेलवे गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले सरकार द्वारा दावा किया गया था कि दीपावली और छठ पर 12,000 से अधिक विशेष रेलगाड़ी चलेंगी। इस खबर पर भी खूब जगहंसाई हुई थी क्योंकि देश भर में इस समय चलने वाली कुल सवारी रेल गाड़ियों की संख्या 13,000 के लगभग है ऐसे में 12,000 से अधिक विशेष रेलगाड़ी चलाने का दावा,महाझूठ के सिवा और क्या कहा जा सकता है? और यदि इन दावों में लेशमात्र भी सच्चाई होती तो दीपावली व छठ के दौरान यू पी बिहार व झारखण्ड जैसे राज्यों में आने जाने वाले यात्रियों को कम से कम इसतरह का असहनीय व अकल्पनीय कष्ट तो न उठाना पड़ता? रेल मंत्री द्वारा दिल्ली में पूर्व नियोजित तरीके से व पूर्ण सुरक्षा के साथ किसी ट्रेन में चढ़कर केवल चुनावी स्टंट व मीडिया में सुर्ख़ियां बटोरने की गरज से रेल यात्रियों से संवाद करना और बात है परन्तु सच्चाई तो यही है कि इन त्योहारों के दौरान ट्रेन में चढ़ना तो दूर रेल मंत्री महोदय बिना सुरक्षा के प्लेटफॉर्म तक पर नहीं घूम सकते थे रेल यात्रियों की इस कद्र अनियंत्रित भीड़ का आवागमन हो रहा था। ट्रेन के डिब्बों में चाहे वे ए सी हों या स्लीपर क्लास आरक्षित कोच, इन सब में यात्रियों को किन दुर्दशा के दौर से गुजरना पड़ा है यह केवल यात्री या भुक्त भोगी ही बता सकते हैं। गोदी मीडिया की नजरों में तो सरकारी सुनहरा पक्ष ही सत्य का सबसे बड़ा दस्तावेज है?

ऐसी ही एक खबर ने पिछले दिनों सरकार की बड़ी फजीहत कर डाली। बिहार चुनाव के मद्देनजर दिल्ली स्थित यमुना नदी के तट पर स्थित वासुदेव घाट पर छठ पूजा के अवसर पर पवित्र स्नान करने हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम बना। इस आयोजन के लिये वासुदेव घाट पर प्रधानमंत्री के स्नान के लिए एक नकली यमुना बनाई गई है। असली यमुना के साथ ही बनी इस नकली यमुना में कथित तौर पर वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से फिल्टर किया गया पीने का पानी पाइपलाइन के माध्यम से पहुँचाया गया। क्योंकि असली यमुना का पानी जहरीला व रासायनिक झाग से भरा हुआ है। दिल्ली पॉल्यूशन कंट्रोल कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार, यमुना का पानी स्नान के लिए अयोग्य है और इससे गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। परन्तु केवल बिहार के मतदाताओं को रिझाने के लिये यह नाटक रचा गया। विपक्ष ने इसे धार्मिक भावनाओं का अपमान,चुनावी स्टंट व फजीर्वाड़ा बताया। प्राप्त खबरों के अनुसार सोशल मीडिया पर इस फर्जी यमुना की खबर के चलते हो रही फजीहत के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वासुदेव घाट पर छठ पूजा स्नान कार्यक्रम रद्द हो गया। इस तरह के अनेक उदाहरण मिल जायेंगे जिनसे पता चलता है कि सत्ता की 'कारगुजारियां वास्तविकता में कुछ और होती हैं जबकि 'झूठ की बिसात' पर ' कुछ और।

देश का भविष्य अल्प-पोषित ना हो

संजीव ठाकुर

नन्हे बच्चों के कुपोषण से जुड़े प्रश्न चिन्ह

बच्चे किसी भी राष्ट्र की सबसे मूल्यवान संपत्ति होते हैं, क्योंकि वही आने वाले कल के नागरिक, निमार्ता और राष्ट्र के सशक्त स्तंभ बनते हैं। किंतु यदि वही बच्चे कमजोर, कुपोषित और अविकसित रह जाएँ, तो सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की कल्पना मात्र भ्रम बनकर रह जाएगी। आज भारत में बच्चों का कुपोषण और बाल विवाह जैसी सामाजिक विसंगतियाँ देश के विकास पर गहरे प्रश्नचिह्न खड़े कर रही हैं।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार भारत में पाँच वर्ष से कम आयु के लगभग 18.7% बच्चे गंभीर रूप से ह्लवेस्टिंगह्न यानी तीव्र कुपोषण के शिकार हैं, जो विश्व में सबसे अधिक दरों में से एक है। यूनिसेफ की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि भारत के लगभग हर चौथे बच्चे को गंभीर खाद्य गरीबी का सामना करना पड़ता है। इसका अर्थ यह है कि 25% बच्चों को विविध और पोषक आहार उपलब्ध नहीं हो पाता। ऐसे बच्चे न केवल कमजोर शरीर लेकर बड़े होते हैं बल्कि मानसिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से भी पिछड़ जाते हैं। यह स्थिति भविष्य के नागरिकों की गुणवत्ता और देश की कार्यक्षमता दोनों को प्रभावित करती है।

कुपोषण की जड़ें केवल भोजन की कमी में नहीं, बल्कि असमान संसाधन वितरण, गरीबी, शिक्षा की कमी और सरकारी-सामाजिक तंत्र की कमजोर समन्वय नीति में भी छिपी हैं। भारत सरकार द्वारा पोषण अभियान, मिड-डे मील, आंगनवाड़ी केंद्रों और मातृ-शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से प्रयास अवश्य किए जा रहे हैं, परंतु परिणाम अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पा रहे। सवाल यह उठता है कि जब अरबों रुपये स्वास्थ्य और विकास योजनाओं पर खर्च किए जा रहे हैं, तो फिर भी बच्चे क्यों कुपोषित हैं? जवाब स्पष्ट है – योजनाओं की जमीनी निगरानी और जनसहभागिता का अभाव।

कुपोषण के समानांतर बाल विवाह की समस्या भी उतनी ही गंभीर है। 2006 में बाल विवाह निषेध अधिनियम लागू होने के बावजूद, यूनिसेफ के अनुसार भारत में आज भी लगभग 23% महिलाएँ 18 वर्ष की आयु से पहले विवाह के बंधन में बंध जाती हैं। दक्षिण के शिक्षित राज्य कर्नाटक और तमिलनाडु भी इस सूची में शीर्ष पर हैं। यह विडंबना दशार्ती है कि केवल शिक्षा की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं, बल्कि समाज में मानसिक-सांस्कृतिक जागरूकता आवश्यक है। बाल विवाह न केवल एक लड़की की शिक्षा और आत्मनिर्भरता छीन लेता है, बल्कि उसके शारीरिक और मानसिक विकास को भी बाधित करता है। गर्भधारण के दौरान कुपोषण और स्वास्थ्य-जोखिम बढ़ जाता है, जो अगले पीढ़ी तक दुर्बलता को पहुँचाता है।

सामाजिक संगठनों और गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) की भूमिका इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। अक्षय पात्र फाउंडेशनह्न जैसे संगठनों ने स्कूल मध्याह्न भोजन योजना के माध्यम से लाखों बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया है। सेव द चिल्ड्रन, स्माइल फाउंडेशन और चाइल्डलाइन जैसी संस्थाएँ पोषण, शिक्षा और बाल-सुरक्षा के क्षेत्र में जागरूकता अभियान चला रही हैं। किंतु केवल कुछ संगठनों के प्रयास पर्याप्त नहीं – आवश्यकता है एक व्यापक सामाजिक आंदोलन की, जहाँ हर नागरिक अपनी भूमिका को समझे और समाज अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार करे। कुपोषण और बाल विवाह की समस्या एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी है। जब कोई बच्ची अल्पायु में विवाह करती है, तो उसका शारीरिक विकास अधूरा रहता है, गर्भावस्था में उसे उचित पोषण नहीं मिल पाता और जन्म लेने वाला बच्चा भी कमजोर होता है। इस प्रकार कुपोषण का चक्र पीढ़ी दर पीढ़ी चलता जाता है। इसे तोड़ने के लिए सरकार, समाज और नागरिक—सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

आज समय है कि पोषण और शिक्षा को केवल सरकारी योजनाओं का हिस्सा न मानकर सामाजिक दायित्व बनाया जाए। स्कूलों, पंचायतों और आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण-जागरूकता के केंद्रों में बदला जाए। स्थानीय स्तर पर पोषण-समिति बनाकर बच्चों के आहार, स्वास्थ्य जांच और विकास की नियमित निगरानी की जाए। माता-पिता को भी यह सिखाना होगा कि बच्चे को केवल पेट भरना पर्याप्त नहीं, बल्कि पौष्टिक आहार देना आवश्यक है।

भारत के लिए यह चिंताजनक है कि वैश्विक भूख सूचकांक में 2024 में वह 125 देशों में 111वें स्थान पर पहुँच गया, जबकि पड़ोसी बांग्लादेश और नेपाल इससे आगे हैं। यह संकेत है कि यदि हमने बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर समुचित ध्यान नहीं दिया, तो आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक स्वास्थ्य दरकता जाएगा।

समाधान केवल सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जनजागरूकता, महिला सशक्तिकरण, स्थानीय भागीदारी और सामुदायिक पहल के बिना यह जंग अधूरी है। कुपोषण और बाल विवाह जैसे मुद्दे केवल आंकड़े नहीं, बल्कि उन नन्हीं आँखों का सवाल हैं जिनमें कल का भारत झलकता है। यदि हम आज इन बच्चों को सशक्त, शिक्षित और पोषित नहीं बना सके, तो कल का भारत दुर्बल और दिशाहीन होगा। इसलिए यह समय है कि हर घर, हर विद्यालय और हर समुदाय में यह संकल्प लिया जाए —कोई बच्चा कुपोषित नहीं, कोई बाल विवाह नहीं। तभी भारत का भविष्य वास्तव में उज्ज्वल कहलाएगा।

ग्रेटर बांग्लादेश भारत के खिलाफ बड़ी साजिश है

-राजेश कुमार पासी

जब से बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार का तख्ता पलट करके मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश के सर्वेसर्वा बने हैं, तब से बांग्लादेश भारत के साथ शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर रहा है। शेख हसीना की सरकार को हटाने का श्रेय छात्रों को दिया जा रहा था लेकिन बांग्लादेश जिस तरफ जा रहा है, उससे लगता है कि तख्ता पलट छात्रों की आड़ में कट्टरवादी तत्वों द्वारा किया गया है। मोहम्मद यूनुस एक नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री हैं लेकिन उनकी हरकतें बता रही हैं कि उनके मासूम चेहरे के पीछे एक बेहद खतरनाक कट्टरपंथी छुपा हुआ है। जब से बांग्लादेश में मोहम्मद युनुस की सरकार आई है, तब से कट्टरपंथी समूहों द्वारा ग्रेटर बांग्लादेश बनाने की बात कही जा रही है और इसमें सरकार का समर्थन दिखाई दे रहा है । बांग्लादेश को एक कट्टर इस्लामिक देश सल्तनत-ए-बांग्ला बनाने की मांग की जा रही है।

पाकिस्तान मानता है कि भारत ने उसके देश के दो टुकड़े किये हैं इसलिए वो बदले की आग में जल रहा है। अपना बदला लेने के लिए पाकिस्तान कोई भी कीमत चुकाने को तत्पर दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान बदला लेने के चक्कर में अपने देश को ही बबार्दी की ओर ले जा रहा है । वो अच्छी से देख रहा है कि भारत से बदला लेने के चक्कर में खुद भी बर्बाद हो रहा है लेकिन वो पीछे हटने को तैयार नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना की जबरदस्त मार के बावजूद पाकिस्तान आतंकवादियों को भारत पर नए हमले के लिए तैयार कर रहा है । वो जानता है कि भारतीय सेना इस बार पहले से भी बड़ा हमला कर सकती है । भारत सरकार ने भी पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है. अगर भारत पर बड़ा आतंकवादी हमला होता है तो पाकिस्तान की इसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी। पाकिस्तान इसके बावजूद दूसरे हमले की तैयारी कर रहा है । पाकिस्तान को अब भारत के खिलाफ साजिश करने के लिए बांग्लादेश का भी साथ मिल गया है । मोहम्मद यूनुस पाकिस्तान से नजदीकी संबंध बना रहा है ताकि भारत के खिलाफ वो पाकिस्तान के साथ मिलकर नए षड्यंत्र बना सके।

इतिहास से सीख मिलती है कि देश की सुरक्षा हमेशा सर्वोपरि होनी चाहिए और हर उस खतरे पर नजर रखनी चाहिए जो हमारे लिए घातक साबित हो सकता है। बांग्लादेश बेशक एक छोटा देश हो लेकिन उसको हरकतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता । इतिहास गवाह है कि कई बार छोटी समस्याएं भी बड़ा असर डालती हैं । बांग्लादेश भी दूसरा पाकिस्तान बनने जा रहा है जो हर कीमत पर भारत को बर्बाद करना चाहता है। जैसे पाकिस्तान भारत को बर्बाद करने के लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार है, वैसा ही बांग्लादेश करने की कोशिश करता नजर आ रहा है। सोशल मीडिया में बांग्लादेश की हरकतों का मजाक बनाया जा रहा है कि वो इतना कमजोर होने के बावजूद भारत को धमकियां दे रहा है । ये विचार का विषय है कि बांग्लादेश इतनी छोटी शक्ति होते हुए भी भारत जैसे देश को धमकी देने पर उतर आया है।

1971 के बाद से बांग्लादेश का पाकिस्तान के साथ संबंध टूटा हुआ रहा है क्योंकि बांग्लादेश पाकिस्तानी सेना के अत्याचार को भूल नहीं पाया है । जब से मोहम्मद यूनुस सत्ता में आया है, वो पाकिस्तान से संबंधों को बढ़ा रहा है । पहली बार पाकिस्तान के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी जनरल साहिर शमशाद मिर्जा बांग्लादेश की यात्रा कर रहे हैं। उनकी यात्रा के दौरान मोहम्मद यूनुस ने एक विवादित किताब आर्ट ऑफ ट्रायम्फ भेंट की है। इस किताब के कवर पर ग्रेटर बांग्लादेश का नक्शा बनाया गया है जिसमें भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के साथ-साथ बंगाल, उड़ीसा, बिहार और झारखंड के हिस्से भी शामिल किए गए हैं। ऐसा बांग्लादेश की सरकार ने पहली बार नहीं किया है बल्कि कई राष्ट्राध्यक्षों और महत्वपूर्ण विदेशी नेताओं को यह किताब भेंट की गई है। भारत बांग्लादेश की इस हरकत पर कई बार नराजगी दिखा चुका है लेकिन बांग्लादेश पर कोई असर नहीं हो रहा है । भारत सरकार को लगता है कि ग्रेटर बांग्लादेश के विवादास्पद मानचित्र में पूर्वोत्तर भारत को शामिल करने के पीछे कोई बड़ी साजिश हो सकती है। इस साजिश के तार पाकिस्तान, तुर्की और चीन से जुड़े हो सकते है। भारतीय खुफिया एजेंसियों के अनुसार बांग्लादेश भारत के खिलाफ साजिश में शामिल होकर पूर्वोत्तर भारत को एशिया में पड़ोसी देशों का प्रवेश द्वार बनाना चाहता है । इस मानचित्र की आड़ में बांग्लादेश भारत में अलगाववादी भावनाओं को भड़काना चाहता है।

26/11 के मुंबई हमले के साजिशकर्ता हाफिज सईद का करीबी सहयोगी इब्तिसाम इलाही जहीर इन दिनों बांग्लादेश में बहुत सक्रिय है। वह भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में घूम-घूम कर भड़काऊ भाषण दे रहा है। वो बांग्लादेश में मौजूद कट्टरपंथी समूहों से संपर्क स्थापित कर रहा है। यह उसकी बांग्लादेश में दूसरी यात्रा है, जिससे साबित होता है कि बांग्लादेश पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों से सम्पर्क कर रहा है। उसने अपने भाषण में कहा है कि इस्लाम के लिए खुद को और अपने बच्चों को कुर्बान करने के लिए तैयार रहो । पाकिस्तान से बांग्लादेश तक सभी मुसलमान सेक्युलर ताकतों के खिलाफ एकजुट हो जाएं। कश्मीर के बारे में उसने कहा है कि कश्मीरियों को उनकी आजादी से वंचित किया जा रहा है, पाकिस्तान की जिम्मेदारी है कि वो कश्मीर पर हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाये । इससे पता चल रहा है कि बांग्लादेश में आतंकवादी संगठनों का जमावड़ा हो रहा है और वो भारत के खिलाफ साजिश कर रहे हैं । बांग्लादेश में कट्टरवादियों की ताकत बढ़ती जा रही है और यूनुस सरकार का इनको सहयोग मिल रहा है। यूनुस सरकार के सत्ता में आने के बाद से बांग्लादेश के हिंदुओं का जबरदस्त उत्पीड़न हो रहा है, उनकी धन-संपत्ति और रोजगार छीने जा रहे हैं। उनकी बहन-बेटियों पर जबरन कब्जा किया जा रहा है और यूनुस सरकार चुपचाप देख रही है।

अब मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तान के साथ मिलकर बयान दिया है कि भारत में सोशल मीडिया दोनों देशों के खिलाफ नफरत फैला रहा है । उसने कहा है कि दोनों देशों को भारत की इस साजिश के खिलाफ मिलकर लड़ना होगा । उसने हिन्दुओं के उत्पीड़न को दुष्प्रचार बता दिया है । भारत ने बांग्लादेश के कहने पर ही कट्टरपंथी उपदेशक जाकिर नाइक पर प्रतिबंध लगाया था लेकिन अब बांग्लादेश ही उसका स्वागत करने को तैयार है । यूनुस सरकार ने उसे बांग्लादेश में एक महीने की यात्रा करने की मंजूरी दी है। वो अब पूरे बांग्लादेश में एक महीने तक घूम-घूम कर भड़काऊ भाषण देगा और उसका निशाना मुख्य रूप से हिन्दू और भारत ही होंगे । अपनी पाकिस्तान यात्रा के दौरान जाकिर नाइक ने पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों के नेताओं के साथ बातचीत की थी । उसकी यात्रा से बांग्लादेश में भारत विरोधी शक्तियों को बड़ी ताकत मिल सकती है।

भारत की सबसे बड़ी समस्या बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ है जो भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा बन सकती है। बांग्लादेश की हरकतों से लगता है कि बहुत पहले से बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठन भारत को बर्बाद करने के लिए अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दे रहे थे। भारत में लगभग पांच करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठिए होने का अनुमान है क्योंकि यह घुसपैठ 1971 से जारी है। एक रिपोर्ट में बांग्लादेश की सरकार ने खुद माना था कि 1981 से 1991 के बीच बांग्लादेश से लगभग 80 लाख लोग गायब हो गए हैं । सिर्फ दस साल में 80 लाख लोगों के गायब होने की बात खुद बांग्लादेश की सरकार कबूल कर चुकी है तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि 54 साल में कितने बांग्लादेशी भारत आ चुके हैं । इसके अलावा उनकी आबादी में बढ़ोतरी भी हुई होगी । ये बांग्लादेशी घुसपैठिए समय आने पर ग्रेटर बांग्लादेश बनाने में बांग्लादेश की बड़ी मदद कर सकते हैं । 15 अगस्त को लाल किले से प्रधानमंत्री मोदी ने देश को अपने संबोधन में भारत की बिगड़ती डेमोग्राफी पर चिंता व्यक्त की थी और कहा था कि इस पर नजर रखने के लिए एक एजेंसी बनाई जाएगी । इसका मतलब है कि भारत सरकार भी घुसपैठियों से होने वाले खतरे को समझ रही है । समस्या यह है कि भारत का विपक्ष मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति के कारण घुसपैठियों के समर्थन में खड़ा रहता है। कई राज्य सरकारें घुसपैठियों के खिलाफ कार्यवाही करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि वो इसे मुस्लिमों के खिलाफ कार्यवाही मानती हैं। समस्या यह है कि देश का विपक्ष अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश पर आने वाले खतरे को शह दे रहा है। बांग्लादेश की सरकार सीमा पर तारबंदी को भी रोकने की कोशिश कर रही है. इसका मतलब यही है कि अवैध घुसपैठ बांग्लादेश की बड़ी साजिश है जिसको वो वक्त आने पर भारत को तोड़ने के लिए इस्तेमाल कर सकता है। भारत सरकार और भारतीय समाज को बांग्लादेश का मजाक बनाने की जगह उसकी साजिशों को गंभीरता से लेने की जरूरत है ।

फूहड़ शब्दों का ग्लैमर और वर्चुअल समाज की विडंबना

-प्रियंका सौरभ

कुछ समय पहले तक मुझे यह गलतफहमी थी कि सोशल मीडिया पर केवल रील्स और वीडियोज में वल्गर या बेहूदा कंटेन्ट ही ज्यादा देखा जाता है। सोचती थी कि शायद यह दृश्य माध्यम का प्रभाव है—जहाँ चमक, शरीर और शोर ही बिकता है। पर हाल के दिनों में कुछ लम्बी पोस्टें पढ़कर भ्रम टूटा। अब केवल दृश्य नहीं, भाषा भी बिकाऊ हो गई है। फूहड़पन अब सिर्फ कैमरे के सामने नहीं, कलम की नोक पर भी नाच रहा है। इन पोस्टों में विषय तो वही पुराने और ट्रेंडिंग हैं—पुरुषों को कोसना, संबंधों में स्त्री की पीड़ा या समाज की संकीर्णता। पर इन सबके बीच सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इन विचारों को जिस भाषा में व्यक्त किया जा रहा है, वह भाषा नहीं, गाली का उत्सव लगती है। लाइक्स और कमेंट्स की बरसात होती है, और भीड़ ताली बजाती है—मानो फूहड़ता अब किसी नई साहित्यिक विधा का नाम बन चुकी हो। कभी कहा जाता था कि लिखना, दिखने से कठिन होता है। लिखना मतलब सोचना, मनन करना, किसी विषय पर आत्मा से उतरकर बोलना। शब्द कभी भीड़ को लुभाने का नहीं, समाज को सजग करने का माध्यम होते थे। लेकिन आज इस संतुलन को एक नई भूख ने निगल लिया है—लोकप्रियता की भूख। अब जो सबसे तेज, सबसे तीखा और सबसे विवादित लिखेगा, वही सबसे ज्यादा देखा जाएगा। क्लिक और कमेंट की इस दौड़ ने शब्दों की गरिमा को लगभग निचोड़ कर रख दिया है। अब भाषा का अर्थ अभिव्यक्ति नहीं, उत्तेजना रह गया है। और यह प्रवृत्ति केवल अनपढ़ या असंवेदनशील वर्ग तक सीमित नहीं—कई बार वही लोग, जो समाज में सुधार, परिवार में संस्कार और रिश्तों में मधुरता की बातें करते हैं, इन पोस्टों पर टूट पड़ते हैं। वे न केवल इन्हें पढ़ते हैं, बल्कि लाइक, हार्ट और फायर इमोजी भेजकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं—जैसे यह कोई सांस्कृतिक आंदोलन हो। यह सवाल सबसे ज्यादा चुभता है—आखिर इस फूहड़ता में आकर्षण क्या है? क्या लोग वास्तव में इन विचारों से सहमत हैं, या बस भीड़ में शामिल हो जाने की मजबूरी है? मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो सोशल मीडिया ने व्यक्ति को अदृश्य पहचान दी है। अब वह जो कहना, करना या दिखाना असल ज़िंदगी में नहीं कर सकता, उसे वह वर्चुअल दुनिया में निर्भीक होकर कर सकता है। यह आजादी धीरे-धीरे अराजकता में बदल गई है। भाषा की मयार्दा, सामाजिक संवेदना और दूसरों की गरिमा—सब पर खुली छूट मिल गई है। किसी का अपमान करना, समूहों को उकसाना, व्यंग्य में विष घोलना—यह सब अब क्रिएटिविटी कहलाता है। फूहड़ भाषा को निर्भीक अभिव्यक्ति बताया जा रहा है, और सभ्य संवाद को पाखंड। विचारों की जगह शब्दों का शोर छा गया है।

विडंबना यह है कि यही समाज घर में बच्चों को मयार्दा, संस्कार और आदर का पाठ पढ़ाता है, मगर वर्चुअल मंच पर वही लोग अपशब्दों की पोस्ट पर हंसते हुए इमोजी भेजते हैं। यानी हमारी वास्तविक और वर्चुअल नैतिकता में जमीन-आसमान का अंतर है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने हमें संवाद का अवसर दिया था, पर हम उसे विवाद का अखाड़ा बना बैठे। जहाँ पहले विचारों की टकराहट होती थी, वहाँ अब शब्दों की लाठियाँ चलती हैं। यह प्रवृत्ति केवल भाषा की समस्या नहीं, सामाजिक संस्कृति के क्षरण का संकेत है। क्योंकि जब शब्द दूषित होते हैं, तो विचार भी विकृत हो जाते हैं। और जब विचार विकृत होते हैं, तो समाज में असहिष्णुता पनपती है। आज यही हो रहा है—हर वर्ग अपने पक्ष को एकमात्र सत्य मानने लगा है, और जो असहमत है, उसके लिए अपशब्द तैयार रखे हैं। कला, चाहे लेखन हो या अभिनय—समाज से संवाद का माध्यम है। लेकिन संवाद और प्रहार में फर्क होता है। जो शब्द किसी की गरिमा को चोट पहुँचाएँ, वे अभिव्यक्ति नहीं, आक्रोश का प्रदर्शन हैं। और जब यह आक्रोश लोकप्रियता के रास्ते का शॉर्टकट बन जाए, तब समाज को आत्ममंथन करना चाहिए।

क्षत्रिय जनसेवा संस्था द्वारा छठव्रतियों की सराहनीय सेवा

भायंदर (उत्तरशक्ति)। क्षत्रिय जनसेवा संस्था, भायंदर द्वारा छठ पर्व के अवसर पर जैसल पार्क चौपाटी पर छठव्रतियों के लिए चाय और पानी का वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष अनिल सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष संदीप सिंह, मार्गदर्शक हरेंद्र प्रताप सिंह, राकेश सिंह, कार्यकारिणी सदस्य सत्येंद्र सिंह, इंद्रभान सिंह, बृजेन्द्र सिंह, अजय सिंह के अलावा दिवाकर सिंह, युवा अधिवक्ता एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, आर पी सिंह, शैलेश सिंह, अजीत सिंह, अरुण कुमार सिंह, आर्यन सिंह, अकेला, मनीष सिंह, नन्हे सिंह, विंध्याचल सिंह, रमेश सिंह, भुवन सिंह समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह समेत अनेक गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए।

आयुष्यमान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन

नायगांव, वसई (उत्तरशक्ति)। नायगांव कोलीवाड़ा, वसई पश्चिम मे नायगांव कोलीवाड़ा में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन नायगांव कोलीवाड़ा, वसई पश्चिम में नागरिकों के स्वास्थ्य देखभाल में सुधार के लिए वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में वसई विरार शहर नगर निगम की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भक्ति चौधरी, डॉ. मिताली, भाजपा वसई विरार शहर जिला सचिव नंदकुमार महाजन, मंडल महासचिव संतोष कक्कड़, युवा मोर्चा जिला महासचिव मनमित राऊत, साथ ही नितिन ठाकुर, गिरीश पाटिल, विलास चौधरी, विशाल कोहली, अशोक मिश्रा, प्रतीक चौधरी, योगेशन ठाकुर, सिद्धांत ठाकुर, आशीष भोईर उपस्थित थे। गजानन भोईर, श्रीमती रजना राणा और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस स्वास्थ्य मंदिर के माध्यम से क्षेत्र के नागरिकों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा सहज, सुविधाजनक और सम्मानपूर्वक उपलब्ध होगी और स्वास्थ्य ही सच्चा धन है, इस विचार को इस माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से क्रियान्वित किया जाएगा।

हौंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने देशभर में 35 मिलियन ACTIVA ग्राहकों तक पहुंच बनाई

मुंबई। देश की अग्रणी दोपहिया निर्माता कंपनी, हौंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी लोकप्रिय ACTIVA श्रृंखला ACTIVA 110, ACTIVA 125 और ACTIVA- की 35 मिलियन यूनिट्स की बिक्री का महत्वपूर्ण माइलस्टोन पार किया है। यह उपलब्धि ACTIVA की देशभर के ग्राहकों के बीच मजबूत पकड़ और लोकप्रियता को दर्शाती है। यह माइलस्टोन 24 वर्षों की अवधि में हासिल किया गया है। बड़े महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक, ACTIVA की मौजूदगी सचमुच पूरे भारत में है। 2001 में लॉन्च होने के बाद से ही ACTIVA ने देश में टू-व्हीलर ट्रांसफॉर्मेशन की दिशा बदल दी है, जिससे लोगों को भरोसेमंद और आसान मोबिलिटी का अनुभव मिला है। एचएमएसआई की ग्रोथ में ACTIVA ने हमेशा अहम भूमिका निभाई है और भारतीय दोपहिया बाजार में ब्रांड की मजबूत मौजूदगी को बढ़ाया है। ACTIVA की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि हौंडा भारतीय ग्राहकों की जरूरतों को गहराई से समझता है आसान चलाने का अनुभव, लगातार परफॉर्मेंस, बेहतर माइलेज और निश्चिंत सफर। वक्त के साथ ACTIVA ने खुद को लगातार अपडेट किया है, लेकिन अपनी इन मूल विशेषताओं से कभी समझौता नहीं किया। पहले 10 मिलियन ACTIVA ग्राहकों का आंकड़ा 2015 में, 20 मिलियन का 2018 में और अब 35 मिलियन का 2025 में पूरा हुआ जो लाखों ग्राहकों के अटूट भरोसे की कहानी बयां करता है। ACTIVA की कामयाबी की सबसे बड़ी वजह है इसकी बदलते वक्त के साथ ढलने की ताकत। सालों से इस स्कूटर ने टेक्नोलॉजी और यूजर एक्सपीरियंस में जरूरी बदलाव किए हैं, और आज यह फैमिली की पहली पसंद बना हुआ है। ACTIVA ई: की लॉन्चिंग ने इस सफर को एक नया मोड़ दिया, जिससे लोगों को परफॉर्मेंस और कम्फर्ट के साथ ज्यादा ऑप्शन मिले।

एक्सिस म्यूचुअल फंड का नया एक्सिस इनकम प्लस आर्बिट्राज पैसिव एफओएफ

मुंबई/पटना। भारत की एक प्रमुख एसेट मैनेजमेंट कंपनी, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने नया एक्सिस इनकम प्लस आर्बिट्राज पैसिव एफओएफ शुरू करने की घोषणा आज की। यह एक अभिनव ओपन एंडेड योजना है। इस योजना का उद्देश्य निवेशकों को ऐसा निवेश विकल्प देना है, जो सुरक्षित हो, जहां रिटर्न का अनुमान लगाया जा सके और कर का बोझ भी कम हो। नया फंड ऑफर (एनएफओ) 28 अक्टूबर 2025 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 11 नवंबर 2025 तक रहेगा। इस फंड का प्रबंधन करेंगे - देवांग शाह (फिक्स्ड इनकम के प्रमुख), आदित्य पगारिया (सीनियर फंड मैनेजर), हार्दिक सतारा (सीनियर फंड मैनेजर) और कार्तिक कुमार (फंड मैनेजर)। नयी निवेश योजना उन निवेशकों के लिए तैयार की गई है जो कम जोखिम उठाते हुए (कंजर्वेटिव रिस्क प्रोफाइल) अपने कर काटने के बाद के मुनाफे को बेहतर करना चाहते हैं।

आस्था और सद्भाव का संगम: विट्ठलवाड़ी में छठ पूजा का भव्य आयोजन

शिवसेना पैनल संख्या 13 की ओर से कार्यक्रम का आयोजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। आस्था का महापर्व छठ पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान न रहकर, सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बन गया है। इसी कड़ी में, शिवसेना पैनल संख्या 13 की ओर से विट्ठलवाड़ी विभाग में दो दिवसीय छठ पूजा का भव्य आयोजन किया गया, जिसने स्थानीय निवासियों और दूर-दराज के भाविकों को एक साथ जोड़ा। यह आयोजन 27 और 28 अक्टूबर के पावन दिनों में कमला देवी महाविद्यालय के सामने आयोजित किया गया, जहाँ सूर्य देव और छठी मैया की आराधना के लिए एक विशेष घाट तैयार किया गया था।

इस धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम को सफल बनाने का श्रेय आयोजन समिति के प्रमुख सदस्यों को जाता है। कमलादेवी शिक्षण संस्था के अध्यक्ष सदानंद (बाबा) तिवारी के नेतृत्व में, पूर्व गटनेता प्रकाश तरे, पूर्व सभापति महादेव रायभोले और विशेष कार्यकारी अधिकारी मधुर म्हात्रे जैसे गणमान्य व्यक्तियों ने इस पूरे पर्व की रूपरेखा तैयार की। समिति का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि विट्ठलवाड़ी के भाविकों को अपने गृह राज्य जैसी ही श्रद्धा और सुविधा के साथ छठ पर्व मनाने का अवसर मिले। आयोजकों ने घाट की सफाई, रोशनी, सुरक्षा और अर्घ्यदान की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया, जिससे पर्व का माहौल अत्यंत पवित्र और व्यवस्थित बना रहा।

छठ पूजा, जो मुख्यतः सूर्य उपासना और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का पर्व है, अपनी कठोर तपस्या और शुद्धता के लिए विख्यात है। विट्ठलवाड़ी में हुए इस आयोजन ने स्थानीय लोगों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने और अपनी परंपराओं को शहर में जीवंत रखने का मौका दिया। दो दिनों तक चले इस समारोह में, भाविकों ने उपवास रखा, ठेकुआ और अन्य पारंपरिक प्रसाद तैयार किए, और अस्त होते तथा उगते सूर्य को श्रद्धापूर्वक अर्घ्य दिया। इस सामूहिक पूजा ने न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत किया, बल्कि विभिन्न समुदायों के लोगों को एक-दूसरे के निकट लाने और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने का भी कार्य किया।

इस प्रकार, शिवसेना पैनल संख्या 13 द्वारा आयोजित यह छठ महापर्व विट्ठलवाड़ी के लिए आस्था, त्याग और सामुदायिक एकजुटता का एक यादगार उत्सव बन गया, जिसने यह दशार्या कि प्रवासी संस्कृति भी महाराष्ट्र की भूमि पर पूरे सम्मान और उत्साह के साथ पनप सकती है। छठपूजा निमित्ताने प्रमुख अतिथी कल्याण पूर्व शिवसेना शहर प्रमुख निलेश शिंदे,पूर्व नगरसेवक महेश गायकवाड, पूर्व नगरसेवक नवीन गवळी ,शिवसेना उपशहर प्रमुख विनित पांडे उपस्थित थे।

सॉल्वएआई से बदलेगा इनोवेशन का भविष्य

मुंबई। एआई आधारित इनोवेशन और कंसल्टिंग के क्षेत्र में काम करने वाली वैश्विक कंपनी पेटॉनिक एआई ने सैन फ्रांसिस्को में टेकक्रंच डिसरप्ट 2025 इवेंट के दौरान अपने अत्याधुनिक एआई इनोवेशन मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म सॉल्वएआई को लॉन्च किया। यह लॉन्च दुनिया भर की कंपनियों के लिए एक अहम बदलाव लेकर आया है, जिससे अब वे सिर्फ अनुभव या अनुमान के बजाय डेटा और एआई पर आधारित फैसले ले सकेंगी। यानी इनोवेशन की सोच, मूल्यांकन और अमल का पूरा तरीका अब पहले से कहीं ज्यादा तेज, सटीक और स्मार्ट होगा। सॉल्वएआई एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रीडिक्टिव एनालिटिक्स और डिसीजन ऑटोमेशन को जोड़ता है, ताकि इनोवेशन की पूरी प्रक्रिया – विचार से लेकर मूल्यांकन और अमल तक – तेज और प्रभावी बन सके।

स्नेहा दुबे पंडित के जनसंपर्क कार्यालय में अनाळा गांव के विकास की चर्चा

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। अमदार जनसंपर्क कार्यालय, वसई में 29 अक्टूबर, 2025 को वसई विधान सभा विधायक स्नेहाताई दुबे पंडित ने अरनाला गांव में विभिन्न विकास कार्यों के साथ-साथ मछुआरों, किसानों, जनजातीय समुदाय के मुद्दों को उठाया। तैणी ने कहा कि स्थानीय विकास कोष, जिला योजना समिति और राज्य सरकार ने अरनाला गांव में विकास कार्यों की जानकारी जल्द से जल्द संबंधित मंत्रियों द्वारा पूरी कर लंबित मुद्दों को तुरंत पूरा किया जाएगा और उनके शीघ्र निराकरण के प्रयास किए जाएंगे। इस मौके पर पूर्व जिल्हा अध्यक्ष महेंद्र पाटील के साथ भाजपा जिल्हा महामंत्री बीजेंद्रकुमार,भरत भोइर, दयानंद भोइर, हेमलता बलशी, जयराज दवलेकर, सविता ठाकुर, देवेंद्र वैती, योगेश म्हात्रे और सुनीता मोरे भी मौजूद रहे।

पालघर के किसानों की बीमा समस्याओं पर मंत्रालय में अहम बैठक संपन्न

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर ज़िले के किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत आ रही समस्याओं के समाधान के लिए मंगलवार को मंत्रालय, मुंबई में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक राज्य की कृषि मंत्री दत्तामामा भरणे की अध्यक्षता में हुई, जिसमें पालघर की विधायक मनीषा चौधरी ने विशेष रूप से भाग लिया।

बैठक में समीक्षा के दौरान बताया गया कि पालघर जिले से अब तक 4021 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो 3455 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए दर्ज किए गए थे। इनमें से 1489 आवेदनों में विसंगतियां पाई गई थीं। जांच के बाद 1213 आवेदन मंजूर किए गए, जबकि 276 आवेदन अभी भी लंबित हैं। इस पर कृषि मंत्री दत्तामामा भरणे ने संबंधित अधिकारियों को सभी लंबित प्रकरण एक सप्ताह के भीतर निपटाने के सख्त निर्देश दिए।

कई किसानों ने यह शिकायत की कि उन्होंने बीमा प्रीमियम भरने के बावजूद उन्हें दावा नहीं मिला। जांच में सामने आया कि कुछ मामलों में आवेदन प्रक्रिया में तकनीकी त्रुटियां, अधूरे दस्तावेज या डेटा अपलोड में समस्या के कारण बीमा कंपनियों ने आवेदन अवैध या अपूर्ण घोषित कर दिए थे। इस पर कृषि विभाग ने बजाज एलाइंस बीमा कंपनी को सभी आवेदनों की पुनः जांच कर पात्र किसानों को तुरंत बीमा लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में विधायक मनीषा चौधरी ने पालघर के किसानों की समस्याएं मजबूती से उठाते हुए कहा कि चीकू उत्पादक किसानों को तकनीकी सहायता और शोध से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कृषि मंत्री से चीकू रिसर्च सेंटर की स्थापना की मांग भी की, ताकि किसानों को दीर्घकालीन सहायता मिल सके। इस अवसर पर नॉर्थ कोकण चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड एग्रीकल्चर के अध्यक्ष निमिष सावे, कृषि संस्थाओं के प्रतिनिधि, तथा ज़िले के किसान प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। चर्चा के दौरान किसानों की बीमा से जुड़ी कई समस्याओं पर सकारात्मक निर्णय लिए गए। बैठक के निष्कर्षों से किसानों को राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

धूमधाम से मनाया गया छठ महापर्व

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नौसेना सिविलियन कॉलोनी, कंजूरमार्ग (प.) में आस्था और पवित्रता के प्रतीक छठ महापर्व का भव्य आयोजन श्रीराम चर्चा समिति द्वारा बड़े ही श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न किया गया। कॉलोनी में रहने वाले नौसेना कर्मियों एवं उनके परिजनों ने पारंपरिक विधि-विधान से अर्घ्य अर्पित कर भगवान भास्कर एवं छठ माता से सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के दौरान वातावरण भक्ति स्वरूप छठ के लोकगीतों से गुंजायमान रहा। सभी परिवारों ने आपसी सौहार्द, शांति और उत्साह के साथ पूजा में भाग लिया, जिससे समाज में एकता और संस्कृति की सुंदर झलक देखने को मिली।

छठ व्रतियों का उत्साह बढ़ाने और शुभकामनाएं देने के लिए विधायक अशोक पाटिल भी पूजा स्थल पर पहुँचे। उन्होंने आयोजकों और श्रद्धालुओं के समर्पण एवं अनुशासन की सराहना की।कार्यक्रम का सफल संयोजन सुधीर मिश्र एवं सत्यप्रकाश मिश्र के मार्गदर्शन में पूरी व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित रही।

एम्बुलेंस की बदहाल सेवा से त्रस्त मीरा भायंदर की जनता : रवि व्यास

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर के अस्पतालों में महानगरपालिका द्वारा संचालित सरकारी एम्बुलेंस सेवा और शववाहिनी के इंतजाम बदहाली का शिकार हो गयी है। लोगों का आरोप है कि जब भी इस सेवा का लाभ लेने के लिए अस्पताल या मनपा से संपर्क किया जाता है तो उन्हें टालमटोल या फिर नकारात्मक लहजे में ही जवाब मिलता है। कभी एम्बुलेंस के खराब होने या दुरुस्ती में होने या फिर उनकी संख्या कम होने का बहाना बनाकर इस सुविधा से वंचित रखा जाता है. कई लोगों का ये भी आरोप है कि मनपा स्वास्थ्य विभाग के ही कुछ अधिकारी इन एम्बुलेंस सप्लाई करने वालों से सांठगांठ कर लेते है ताकि एम्बुलेंस मलिक को फायदा पंहुचाकर मोटी रकम कमीशन के तौर पर लेते है. मरता क्या ना करता, मरीजों के परिजनों को मजबूरन बड़ी रकम चुकानी पड़ती है और असुविधा अलग से।

लोगों से लगातार मिल रही इस तरह की शिकायतों पर भाजपा नेता 145 मीरा भायंदर विधानसभा चुनाव प्रमुख एड. रवि व्यास ने मनपा आयुक्त को पत्र लिखकर इस गड़बड़ घोटाले की जाँच करने की मांग की है। रवि व्यास का कहना है कि करोड़ो रुपये खर्च कर खरीदे गए एम्बुलेंस के आकड़ो के मुकाबले जमीनी स्तर पर इनकी संख्या काफी कम दिखाई पड़ती है और आम जनता को इसका पर्याप्त लाभ नहीं मिल रहा है। जिसका सीधा असर चरमराती शासकीय सेवा और अस्पतालों में दिख रही है और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। इसलिए इस मामले की तत्काल जाँच अति आवश्यक है। एड व्यास ने आयुक्त से मांग की है कि एम्बुलेंस सेवा को तत्काल स्थायी और नियमित बनाये जाने को लेकर उपाययोजना तैयार की जाए.इस बारे में लापरवाही को लेकर प्राप्त सभी शिकायतों की निष्पक्ष जाँच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। खरीदे गए एम्बुलेंस और उनकी यथावत स्थिति की पूरी जानकारी पारदर्शी तरीके से उपलब्ध हो और जनता के संपर्क के लिए भी एक सिस्टम तैयार किया जाए। यहाँ तक कि इस पूरी सरकारी यंत्रणा को लेकर एक प्रभावी व्यवस्था बने ताकि जनता को इस आवश्यक सेवा को लेकर कोई असुविधा ना होने पाए।

नवनियुक्त कांग्रेस महिला जिला अध्यक्ष सीमा पोतदार का कांग्रेसियों ने किया सत्कार

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। कांग्रेस पार्टी में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को सशक्त करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा के निदेर्शानुसार तथा महाराष्ट्र प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष संध्या सवालाखे की अनुशंसा पर सीमा पोतदार को पालघर जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

उनकी नियुक्ति के उपलक्ष्य में कांग्रेस कार्यकताओं ने पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत चित्रालय स्थित सरोवर होटल में बुधवार 29 अक्टूबर को भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने शाल, पुष्पगुच्छ व पेन देकर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सीमा पोतदार का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सीमा पोतदार ने बोलते हुए कहा कि कांग्रेस की विचारधारा समाज के हर वर्ग को न्याय और समान अवसर देने की है। मैं विशेष रूप से महिलाओं की समस्याओं को प्राथमिकता देकर उन्हें न्याय दिलाने और सशक्त बनाने के लिए काम करूंगी। कार्यक्रम में वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अरविंद सिंह क्षत्रिय, महासचिव रामप्रकाश निराला, प्रकाश संखे, पूर्व महासचिव मनोज पाटील, सचिव रामनरेश यादव, पालघर शहर अध्यक्ष मनीषा कालपुंड, अमरेंद्र शुक्ला, प्रदीप कात्यान सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनों ने सीमा पोतदार को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और सभी ने कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

कोकण विभाग में भगवान बिरसा कला संगम कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। प्रगति प्रतिष्ठान, जव्हार में महाराष्ट्र शासन के आदिवासी विकास विभाग और भगवान बिरसा कला मंच के संयुक्त तत्वावधान में भगवान बिरसा कला संगम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कोकण विभाग के सैकड़ों आदिवासी कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य, गायन, वाद्य वादन, चित्रकला और हस्तकला के माध्यम से अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का शानदार प्रदर्शन किया।

आदिवासी समाज अपनी महान परंपरा, संस्कृति और विविध लोककलाओं को हजारों वर्षों से सहेजता आया है। महाराष्ट्र की 47 जनजातियों की अपनी-अपनी विशिष्ट कलाएं हैं, जो सण-उत्सव, विवाह समारोह, देवी-देवता जागरण जैसे अवसरों पर झलकती हैं। आधुनिक युग में कई युवा इन पारंपरिक कलाओं को सोशल मीडिया, रील्स, डॉक्यूमेंट्री और फोटोग्राफी के माध्यम से भी जीवंत रखे हुए हैं। इसी विरासत को राज्यस्तर पर मंच प्रदान करने और वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने के उद्देश्य से भगवान बिरसा कला मंच निरंतर कार्यरत है। महाराष्ट्र शासन के आदिवासी विकास विभाग के सहयोग से मंच ने राज्य की सभी जनजातियों के लिए पांच पारंपरिक कला श्रेणियों में नृत्य, गायन, वाद्य वादन, चित्रकला और हस्तकला में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में इस प्रतियोगिता को भगवान बिरसा कला संगम नाम दिया गया है। जुलाई 2025 से प्रारंभ इस कला महोत्सव में अब तक महाराष्ट्र के 10,000 से अधिक कलाकारों ने विभिन्न श्रेणियों में भाग लेकर अपने प्रदर्शन सोशल मीडिया पर साझा किए हैं। कोकण विभागीय स्तर की प्रतियोगिता में 400 से अधिक कलाकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ हिरवा देव, धरतरी माता और भगवान बिरसा मुंडा की पूजा से हुआ। इस चरण में चयनित कलाकार 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं जनजाती गौरव दिवस के मुख्य समारोह में अपनी कला प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में प्रगति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष पुरुषोत्तम आगवण, आदिवासी एकता मित्र मंडल के संस्थापक अध्यक्ष संतोष जनाठे, जनजाती विकास मंच के संस्थापक अध्यक्ष नरेश मराड, वरिष्ठ कलाकार हरेश्वर वनगा तथा मुंबई विश्वविद्यालय के कला विभाग के प्राध्यापक उपस्थित रहे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

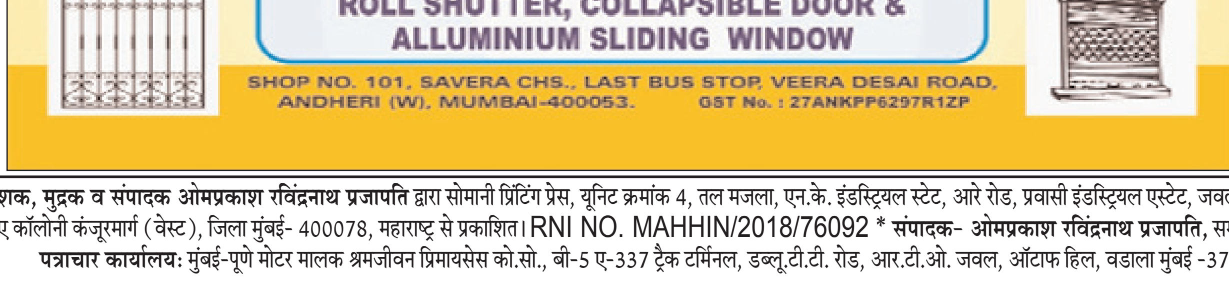

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

दहेज में 10 ल ाख और क्रेटा कार की मांग, मारपीट कर मायके के पास छोड़ गये ससुरालीजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद रायपुर गांव की एक विवाहिता को दहेज के लिए प्रताड़ित कर मारपीट करने और घर से निकालने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने एसपी डॉ. कौस्तुभ के आदेश पर पति, सास और शादी कराने वाले अगुआ समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

रायपुर गांव निवासी मनोज शर्मा ने बताया कि उनकी पुत्री शिवांगी शर्मा का विवाह 26 अप्रैल 2024 को आजमगढ़ जनपद के बरदह थाना क्षेत्र के बीकापुर निवासी महेश शर्मा के साथ हुआ था। आरोप है कि विवाह के बाद से ही उसके ससुरालीजन दहेज में 10 लाख रुपये और एक क्रेटा कार की मांग को लेकर उसे लगातार प्रताड़ित करते रहे।

शिवांगी ने बताया कि दहेज

एसपी के आदेश पर पति, सास और अगुआ पर मुकदमा दर्ज

मांग पूरी न होने पर ससुरालीजन उसकी मारपीट करते रहे और गहने भी छीन लिए। करीब एक साल तक वह मायके में ही रही। बाद में समझौते के बाद पति उसे वापस ले गया, लेकिन 23 सितंबर की रात फिर से दहेज को लेकर मारपीट की गई और उसे एक चारपहिया वाहन से मायके के पास चकरोड पर छोड़ दिया गया। किसी तरह वह घर पहुंची और अपना इलाज कराया।

पीड़िता ने न्याय की गुहार लगाते हुए एसपी डॉ. कौस्तुभ से मुलाकात की, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए विवाहिता के पति महेश शर्मा, सास उर्मिला और अगुआ भगवती के खिलाफ दहेज प्रतिषेध अधिनियम और मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स का अमृत महोत्सव: राष्ट्रव्यापी पत्रकार महाकुंभ

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (IFWJ) ने अपनी स्थापना के 75 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने का उत्सव देशव्यापी 'पत्रकार महाकुंभ' के रूप में मनाया। 28 अक्टूबर को आयोजित इन भव्य कार्यक्रमों ने पूरे राष्ट्र में पत्रकारिता जगत की अभूतपूर्व एकजुटता को प्रदर्शित किया और इस क्षेत्र के पुरोधा डॉ. के. विक्रम राव को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

IFWJ का 75वां स्थापना दिवस पूरे भारत में पत्रकारिता की एकता और नए संकल्पों के महापर्व के रूप में मनाया गया। देश की पत्रकारिता के इस सबसे पुराने और सुदृढ़ संगठन की प्रादेशिक इकाइयों ने व्यापक स्तर पर विचार-गोष्ठियों, सम्मान समारोहों और संकल्प सभाओं का आयोजन किया। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, राजस्थान, ओडिशा, झारखंड, असम, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित देश के कोने-कोने में

आयोजन हुए। इस ऐतिहासिक अवसर पर आयोजित सभी समारोहों में संगठन के संस्थापकों और वरिष्ठों के संघर्ष को कृतज्ञतापूर्वक याद किया गया और उन्हें नमन किया गया।

इस राष्ट्रव्यापी आयोजन के दौरान, सभी राज्यों की इकाइयों ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. विक्रम राव को गहरी श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उनके अविस्मरणीय नेतृत्व और पत्रकार हित में किए गए अतुलनीय कार्य को श्रद्धापूर्वक याद किया। उनकी कुशल अगुआई में संगठन ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान बनाई थी। देशभर के पत्रकारों ने उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने और संगठन को हर मोर्चे पर निर्भीक तथा सशक्त बनाए रखने का दृढ़ संकल्प लिया।

आयोजनों में पत्रकारों की प्रमुख मांगों और विषयों पर विशेष रूप से बल दिया गया: जिसमें, पत्रकार सुरक्षा कानून का त्वरित क्रियान्वयन, पत्रकारों के लिए वृद्धावस्था-भत्ते सहित कल्याणकारी योजनाओं की शुरूआत और देशव्यापी पत्रकार एकजुटता को निरंतर बनाए रखने का महत्व। IFWJ की यह 75वीं वर्षगांठ भारतीय पत्रकारिता के उच्च नैतिक मूल्यों और निष्पक्षता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को पुनः दर्शाती है। यह संगठन वर्तमान और भविष्य के पत्रकारों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा।

घर का ताला तोड़कर जेवर, नगदी सहित 15 लाख की भीषण चोरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के लाइन बाजार थाने से महज 200 मीटर दूर मतापुर इलाके के जानकीपुरम मोहल्ले के 27अक्टूबर की रात मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर भीतर पहुंचे चोरों ने आलमारी से जेवर, नगदी सहित लगभग 15 लाख रुपए के सामान की चोरी कर ली। सुबह जब घर वाले छठ पूजन करके रिश्तेदारी से लौटे तो मेन गेट का टूटा ताला देख उनके पांव तले जमीन खिसक गयी।

विदित हो कि जानकीपुरम मोहल्ले में लखनऊ–वाराणसी रोड पर पहला मकान संतोष कुमार सिंह का है। यह परिवार सहित डाला छठ मनाने के लिये दूसरे जनपद में अपनी ससुराल गये थे। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद यहां जब सुबह आये तो ताला टूटा था और भीतर दरवाजे भी खुले थे। अन्दर रखी आलमारियों के भी ताले टूटे थे। बाकी कोई सामान नहीं छुआ गया था। आलमारी में ही बेटी की शादी के लिये उन्होंने जेवर खरीदकर रखे थे और कुछ नगद भी थे, क्योंकि तिलक चढ़ाने के लिये नवम्बर माह में उन्हें जाना है।

इस घटना से मतापुर इलाके के लोगों में एक बार फिर दहशत कायम हो गयी है। कारण पिछले महीनों में पड़ोस के ही दिवंगत रविन्द्र पटेल के घर में 8 लाख रुपए से अधिक के जेवर और नगदी इसी तरीके से चोरी कर लिये गये थे।

सूचना पर पहुंची लाइन बाजार पुलिस ने दिन भर जांच–पड़ताल और लिखा–पढ़ी की कोरम पूरा करती रही। स्कैनर से भी दरवाजों पर हाथ के निशान लिये गये। डाग स्क्वायड नहीं बुलाया गया। अलबत्ता पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह नशेड़ियों का ही काम लगता है।

पूर्व विधायक की पहल पर 32 वर्षीय पुराना झगड़ा सुलझा, गांव में हर्ष का माहौल

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी के पहल पर उनके पैतृक गांव (दुबेपुर) छितौना में 32 वर्षीय पुराना आबादी की जमीन संबंधित झगड़ा सुलझ गया। दोनों पक्षों ने आपसी समझौते में मामले को सुलझा लिया है।

बता दें कि दीपक दुबे, संजय दुबे, अवधेश दुबे, शंभूनाथ दुबे सहित चार पाटीदारों के झगड़े में कई मुकदमे विचाराधीन थे। सब लोग कोर्ट कचहरी का चक्कर लगा रहे थे। बीच में पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने प्रयास किया। मान मनौवल किया। मामला सुलझ गया है। गांव में इस मामले के सुलझने से हर्ष का माहौल व्याप्त है। लोग पूर्व विधायक के इस पहल को प्रशंसा कर रहे है।

पूर्व विधायक ने लोगों से आग्रह किया कि आप लोग आगे भी ऐसे ही बढ़-चढ़कर के पुराने से पुराने झगड़े को बारी-बारी से आपसी सुलह समझौते से सुलझा लीजिए। इसी में सब की भलाई और खुशी है। कोर्ट कचहरी में कुछ रखा नहीं है। अंत में होता सुलह ही है, फिर क्यों कोर्ट कचहरी का चक्कर लगाना, ज्यादा से ज्यादा मामला गांव में वरिष्ठ लोगों की उपस्थिति में पंचायत जुटाकर के सुलझा लेने से आर्थिक,मानसिक और सामाजिक तीनों क्षति से व्यक्ति बच जाता है। उसका विकाश ही होता है।

पीयू से संबद्ध कालेज के 10 शोधार्थियों को प्रशिक्षण: कुलपति

◆ शोधार्थियों को मिलेगा प्रशिक्षण और आर्थिक सहयोग

◆ शोध और नवाचार को बढ़ावा देगी डीएसटी-पर्स परियोजना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की ह्लडीएसटीझ्रपर्सह्व परियोजना की प्रगति समीक्षा बैठक कुलपति प्रो. वंदना सिंह की

अध्यक्षता में कुलपति सभागार में आयोजित हुई। बैठक में कुलपति ने दिसंबर 2025 तक सभी स्वीकृत उपकरणों और रसायनों की खरीद प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि परियोजना के वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व (एसएसआर) के तहत विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के 10 शोधार्थियों को शोध उपकरणों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को उनके शोध कार्य हेतु पाँच हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता भी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त दो परास्नातक छात्रों को डिजर्टेशन कार्य में सहयोग देने, 20 छात्रों को दो हजार रुपये तक की सहायता और पाँच छात्रों को स्टार्टअप या औद्योगिक सहयोग के अंतर्गत कृषि उत्पादों से जुड़े लघु उपकरणों के डिजाइन हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने की घोषणा की गई।

परियोजना समन्वयक डॉ. धीरेंद्र चौधरी ने बताया कि डीएसटी द्वारा परियोजना की प्रथम वर्ष की धनराशि 22 मई 2025 को जारी की गई थी। परियोजना से जुड़ी टीम ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उच्च दक्षता वाले सोलर सेल का सफल प्रदर्शन किया है, जबकि हाइड्रोजन ऊर्जा के क्षेत्र में जल अपघटन तकनीक से हाइड्रोजन उत्पादन की दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गई है। ऊर्जा संचयन हेतु उच्च धारिता वाले सुपर कैपेसिटर और पर्यावरणझ्रअनुकूल हरित स्नेहक का विकास भी किया गया है। अब तक 15 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं, जबकि 18 शोध पत्र प्रकाशनार्थ भेजे गए हैं। बैठक में आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रोजेक्ट सह-समन्वयक डॉ. काजल डे, डॉ. पुनीत धवन, डॉ. रमांशु सिंह, डॉ. आलोक वर्मा, डॉ. सुजीत चौरसिया, डॉ. दिनेश वर्मा, डॉ. अजीत सिंह और डॉ. मिथिलेश यादव आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

मड़ियाहूं में विवाहिता का शव लटकता पाए जाने से सनसनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मडियाहू थाना अंतर्गत संगुलपुर ग्राम सभा के कालूपुर गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में बुधवार को प्रातः कमरे में शबनम नमक विवाहिता की लटकती लाश पाए जाने से हड़कंप मच गया। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। जलालपुर थाना अंतर्गत पूरे गांव में मृतका का मायका है। शादी कालूपुर निवासी अशरफ के बेटे सानू के साथ हुई थी। घटना की सूचना पर मृतका का भाई खुर्शीद मौके पर पहुंचा तो दंग रह गया। आरोप है की हत्या कर शव फांसी पर लटकाया गया है। पति रोजी-रोटी के सिलसिले में मुंबई रहता है। देवर परिवार संग यहां रहता है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

रॉयल जिम का उद्घाटन जेलर ने किया

जलालपुर, अम्बेडकर (उत्तरशक्ति)। अंतर्गत पक्के पुल के पास

रॉयल जिम का उद्घाटन सेंट्रल जेल के जेलर अखिलेश कुमार के कर कमलों द्वारा फीता काट कर किया गया। श्री अखिलेश कुमार ने बताया कि आज के दौर में जिम के माध्यम से लोग स्वस्थ व निरोग जीवन के साथ ही लोगों में आपसी भाई चारा भी बना रहेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता गुलाम सुबहानी, अमित कुमार (टीचर), शैलेश निगम दीवान, मो0 अब्दुल्लाह आदि उपस्थित रहे। अंत में रॉयल जिम के माहताब व चांद उद्घाटन समारोह में आए सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया।

दुष्कर्म के मुकदमे में वांछित 2 आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा दुष्कर्म के मुकदमे में वांछित 02 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार ' घटना का संक्षिप्त विवरण-थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-328/25 धारा 137(2) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत हुआ दौराने विवेचना उक्त अभियोग में पीड़िता को बरामद करते हुए धारा-

64(1), 69,115(2) बीएनएस व एसएल/ 6 पाक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी की गई तथा वांछित आरोपीगण के रूप मे विशाल उर्फ इस्तेयाक पुत्र मो० शकील निवासी ग्राम जयमलपुर पोस्ट सेमरी थाना महरुवाँ तहसील भीटी जिला अम्बेडकरनगर व राहिब अब्बास पुत्र आदम जैदी निवासी छबिलेपुर करन्जाकला थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर का नाम प्रकाश मे आये।

लाइन बाजार पुलिस ने दुष्कर्म के मुकदमे में वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह, थाना

लाइन बाजार जौनपुर के मार्गदर्शन में थाना लाइनबाजार पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-417/25 धारा 70(1), 351(3) बीएनएस थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर से सम्बन्धित वांछित आरोपी- विकास मौर्या पुत्र प्रेमनाथ मौर्या निवासी बबरखाँ थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर को मुखबीर खास की सूचना पर वाजिदपुर तिराहा से आज दिनांक-29.10.2025 को समय-10.30 बजे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

फर्जी कनेक्शन और बकाया पर बिजली विभाग का शिकंजा, शाहगंज में छापेमारी से मचा हड़कंप

◆ 18 कनेक्शन कटे, कई दुकानों के सटर गिरे

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विद्युत विभाग द्वारा चलाये जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान बड़े बकायेदारों और फर्जी तरीके से बिजली का दोहन करने वालों में हड़कम्प मचा रहा।

बुधवार को विद्युत उप खण्ड शाहगंज के जेई रामप्रकाश गुप्ता और राजकुमार सिंह की दो अलग अलग टीमों ने नगर और आसपास के क्षेत्रों में सघन बिजली चेकिंग अभियान चलाया।जिसमे 10 हजार से 50 हजार तक के बिजली बकायेदारों के कुल 18 बिजली कनेक्शन का विच्छेदन किया गया।और कुछ बकायेदारों ने कुल 65 हजार बिजली का बकाया बिल मौके पर जमा किया।

वहीं चेकिंग अभियान से हड़कम्प मचा रहा। कुछ दुकानदार तो अपनी दुकान का सटर गिराकर फरार हो गए और एक दूसरे से मामले की जानकारी लेते रहे। उक्त मौके बाबूराम बाबू, विकास चौरसिया, शैलेन्द्र प्रजापति, विजय कुमार यादव, जसवंत सिंह आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मनेछा के समीर माज का रेलवे आरडीएसओ में चयन

गांव पहुँचने पर लोगों ने किया भव्य स्वागत

मो.आसिफ सिद्दीकी

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के मनेछा गांव निवासी समीर माज का रेलवे के रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड आर्गनाइजेशन (आरडीएसओ) विभाग के जूनियर रिसर्च इंजीनियर के पद पर चयन हुआ है। मंगलवार को गांव पहुँचने पर समीर का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि चरण बद्ध तरीके से तैयारी से अफलता निश्चित मिलती है। संसाधनों की कमी और भाग्य को दोष देना ठीक नही।

उक्त गांव निवासी समीर माज की प्रारंभिक शिक्षा गांव के मदरसा और ईडन कान्वेंट स्कूल इमरानगंज से हुई। दिल्ली से हाईस्कूल के बाद अलीगढ़ यूनिवर्सिटी से डिप्लोमा, बीटेक और एमटेक शिक्षा प्राप्त की। वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी शुरू की, रेलवे के आरडीएसओ में बतौर जूनियर रिसर्च इंजीनियर के तौर पर उनका चयन पहले अटेम्प में हुआ है। उन्होंने ने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता के अलावा बड़े भाई डॉ. नजमुद्दीन नदवी को दिया। जिनका हर कदम पर मार्गदर्शन मिला।

मंगलवार को गांव पहुंचने पर ग्राम प्रधान सेराज अहमद, कांग्रेस नेता इकबाल अहमद, हाजी जियाउद्दीन,नौशाद एडवोकेट, नियाज अहमद, जावेद अहमद, हकीमुद्दीन समेत ग्रामीणों ने फूलमालाओं से लाद दिया।

जायसवाल समाज ने मनाई कुलदेवता की जयंती

समाज को एकजुट करने का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के सब्जी मंडी में स्थित आदि शक्ति संस्था ट्रस्ट द्वारा संचालित दुर्गा माता मंदिर में मंगलवार की शाम करीब 4 बजे जायसवाल समाज के कुलदेवता सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती नगर अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल की अध्यक्षता में मनाई गई। इस मौके पर उपस्थित समाज के लोगों ने कार्तवीर्य राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु अर्जुन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के दौरान जायसवाल समाज को संगठित कर सामाजिक कुरूतियों को समाप्त करने का संकल्प लिया गया।

इस मौके पर वक्ताओं ने कुलदेवता के जीवन पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि वे श्रीहरि विष्णु के 24वें अवतार थे। उन्होंने त्रिलोक विजयी रावण को हराया था और सात महाद्वीपों और ब्रह्मांड पर विजय प्राप्त की। वे एक धर्मपरायण राजा थे। कार्यक्रम में समाज को एकजुट रखने के साथ-साथ सामाजिक बदलाव और सुधार के लिए अपने संकल्पों को दोहराया। सभी ने यह प्रण लिया कि वे समाज की प्रगति के लिए काम करेंगे और सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का प्रयास करेंगे।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष सर्वेश जायसवाल, दिलीप जायसवाल, ध्रुव जायसवाल, राधेश्याम जायसवाल, अनूप जायसवाल, शिवशंकर जायसवाल, श्रेयश जायसवाल ईशु, दिलीप जायसवाल ॐ साईं, दिलीप जायसवाल राजू, राजेंद्र जायसवाल, अरविंद जायसवाल, वेदप्रकाश जायसवाल, संजय जायसवाल, संदीप जायसवाल, दिनेश जायसवाल, राजीव जायसवाल, सुधीर कुमार जायसवाल, अशोक जायसवाल, अनिल जायसवाल सहारा, रोहन जायसवाल, शुभांशू जायसवाल, अंकित जायसवाल, अमरनाथ जायसवाल, प्रशांत जायसवाल, गौरीशंकर जायसवाल राजू, आशीष कुमार जायसवाल, संजय जायसवाल, वेद प्रकाश बचाऊ गुप्ता, राधेश्याम जायसवाल, सुग्रीव जायसवाल, संजय जायसवाल मेडिकल, सुधीर जायसवाल शालू, संजय जायसवाल, दिवाकर जायसवाल, नितिन जायसवाल, रवि जायसवाल, राहुल जायसवाल समेत समस्त स्वजातीय बंधु मौजूद रहे।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी हो

गणना प्रपत्रों का मुद्रण, वितरण, मिलान व संग्रहण समय से सुनिश्चित करने के दिए गए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों के जिलाध्यक्ष और प्रतिनिधियों के

◆ पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से सम्मिलित कराया जाए

◆ सभी बीएलओ अपने बूथ पर घर-घर जाकर मतदाता सूची का करें सत्यापन

साथ बैठक संपन्न हुई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (रक्क्र) को लेकर दिए गए दिशा-निर्देशों, कार्यक्रमों और इसकी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां समय से पूर्ण करा ली जाए। कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न होने पाए। उन्होंने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता न बरती जाए। मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को मिशन मोड में संचालित किया जाए।

उन्होंने सभी ईआरओ/एईआरओ को निर्देशित किया कि गणना प्रपत्रों का मुद्रण, वितरण, मिलान एवं इनका संग्रहण समय से हो। डुप्लीकेट, शिफ्टेड एवं मृत मतदाताओं को लेकर पूरी सावधानी रखें। सभी मतदेय स्थलों का सही से स्थलीय निरीक्षण कर ड्रॉफ्ट प्रकाशन से पहले ही सम्भाजन की प्रक्रिया पूर्ण कर लें। सम्भाजन के बाद नये मतदेय स्थलों के बनने पर बीएलओ की नियुक्ति भी समय से पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि 01 जनवरी, 2026 को अर्हता तिथि मानते हुए एसआईआर की प्रक्रिया पूरी करें तथा अर्हता तिथि 01 अप्रैल, 01 जुलाई व 01 अक्टूबर, 2026 के लिए भी अग्रिम आवेदन स्वीकार किये जाएं। उन्होंने वृद्ध, बीमार, दिव्यांग, निर्धन एवं अन्य अशक्त व्यक्तियों को यथासंभव सुविधा प्रदान करने के लिए स्वयं सेवकों की तैनाती करने को

भी कहा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी पात्र नवयुवकों का नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से शामिल हो। उन्होंने सभी बूथ लेबल अधिकारियों को गणना प्रपत्र, घोषणा पत्र एवं फार्म-6 उपलब्ध कराने को कहा, मतदाता द्वारा भरे गए गणना प्रपत्र की एक प्रति बीएलओ अपने पास रखेंगे और दूसरी प्रति अपने हस्ताक्षर सहित मतदाता को लौटाएंगे। इस दौरान गणना प्रपत्र के अलावा अन्य कोई अभिलेख न लिए जाएं। उन्होंने बताया कि शहरी मतदाता, अस्थायी प्रवासी गणना प्रपत्र को ऑनलाइन भी भर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ, ईआरओ, एईआरओ को एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े कार्यों का प्रशिक्षण दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि 03 नवम्बर, 2025 तक विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित तैयारी, प्रशिक्षण एवं गणना प्रपत्रों का मुद्रण किया जायेगा। 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2025 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का मतदाताओं को वितरण किया जायेगा एवं प्रपत्रों को भरवाकर प्राप्त किया जायेगा। 09 दिसम्बर, 2025 को आलेख्य मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। दावे और आपत्तियां दाखिल किये जाने की अवधि 09 दिसम्बर, 2025 से 08 जनवरी, 2026 तक होगी। नोटिस जारी किये जाने, सुनवाई एवं सत्यापन व दावे और आपत्तियों का निस्तारण एवं गणना प्रपत्रों पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा निर्णय किये जाने की अवधि 09 दिसम्बर, 2025 से 31 जनवरी, 2026 तक होगी। 07 फरवरी, 2026 को अन्तिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इस दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यशाला में सभी ईआरओ/एईआरओ को उनके दायित्वों, गणना प्रपत्र, सांकेतिक दस्तावेजों की सूची आदि के सन्दर्भ में प्रशिक्षण भी दिया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष द्वय पुष्पराज सिंह, अजय कुमार सिंह, सचिव भाजपा विनीत कुमार शुक्ला, बहुजन समाज पार्टी से चंद्रेज भारती, विनय राव, जिलाध्यक्ष सपा राकेश मौर्य, जिला उपाध्यक्ष सपा हीरालाल विश्वकर्मा, आम आदमी पार्टी से जफर मसूद, नगर अध्यक्ष कांग्रेस अली अंसारी, अपना दल (एस) से जय प्रकाश पटेल, सीपीआई (एम) से विजय प्रताप सिंह, उपजिला निर्वाचन अधिकारी, ज्वाइट मजिस्ट्रेट, नगर मजिस्ट्रेट, समस्त ईआरओ/एईआरओ, सहित अन्य उपस्थित रहे।

बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान का असर, बरसठी क्षेत्र में धान की कटाई पर संकट

दिनेश विश्वकर्मा, बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती समुद्री तूफान का असर अब पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में दिखाई देने लगा है। जौनपुर जनपद के बरसठी क्षेत्र में तेज हवाओं और रुक-रुक कर हो रही लगातार बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। धान की कटाई का समय चल रहा है, लेकिन खराब मौसम के चलते खेतों में फसल कटाई रुक गई है। कई खेतों में पहले से तैयार फसल

अब भीगने लगी है, जिससे दाने काले पड़ने और सड़ने का खतरा बढ़ गया है। किसान अपने खेतों की हालत देखकर बेहद चिंतित हैं। बरसठी क्षेत्र के ग्रामीणों ने बताया कि यदि बारिश और हवा का दौर यूँ ही जारी रहा तो उनकी सालभर की मेहनत पर पानी फिर जाएगा। कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति बाधित है और खेतों में जलभराव की स्थिति बन गई है।

बसपा प्रत्याशी ने गांवों का भ्रमण कर मांगा वोट का आशीर्वाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज के दुरौंधा विधानसभा क्षेत्र के बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी इंजीनियर मधुसूदन सिंह ने बुधवार को अपने समर्थकों के साथ ,पासीवड़,गोविंदपुर, सावान, पकवालिया, आदि गांव का भ्रमण कर जनता से वोट का आशीर्वाद मांगा। कहा कि जनता का आशीर्वाद मिला तो दरौंदा विधानसभा क्षेत्र का काया कल्प कर देंगे। क्षेत्र में शिक्षा स्वास्थ्य , हर एक परिवार को सरकारी स्तर से घर उपलब्ध कराया जाएगा। क्षेत्र में हो रहे जल जमाव से फसलों की बबार्दी रोकी जाएगी। हर हाथ को रोजगार सृजन किया जाएगा। मौके पर अजय कुमार सिंह सुनेश पाल सिंह शिवनाथ महतो, मुसाफिर महतो, अभी दर्जनों लोग शामिल थे।

जन अधिकार सेना स्थापना दिवस पर फल वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। जन अधिकार सेना (सामाजिक हिंदुत्ववादी संगठन) द्वारा 26 अक्टुबर स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय अध्यक्ष राज विश्वकर्मा के दिशानिर्देश से देश के विभिन्न राज्यों में बड़ी धूमधाम से मनाया गया । इस क्रम में पालघर जिला संगठन टीम द्वारा नालासोपारा पूर्व मोरेगांव स्थित हिराबाई गजानन हाते वृद्धाश्रम में फल-फ्रूट वितरण का कार्यक्रम किया गया जिसमें कई वृद्ध महिलाओं को खाद्य सामग्री भी दी गई ।

कार्यक्रम के उपरांत वृद्धाश्रम के प्रबंधक ने संगठन का धन्यवाद करते हुए संगठन की प्रशंसा की और कहा संगठन बहुत नेक कार्य कर रही है । इस दौरान संगठन के महाराष्ट्र संपर्क प्रमुख मनोज विश्वकर्मा,पालघर अध्यक्ष रोहित गुप्ता ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। वसई विरार के मुकेश राणा, दिलीप राणा, नालासोपारा प्रमुख बिपिन गुप्ता, अमित गुप्ता, अभिषेक गुप्ता उपस्थित रहें।

तालब में डूब कर बच्चे की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र में मंगलवार की शाम खम्हौरा गांव एक बच्चा खेत देखने गया था कि बगल में तालाब था पैर फिसलकर बच्चा तालाब में डूब गया। स्थानिक लोगों ने शोर मचाया तो लोग मौके पर पहुंचकर तालाब से बाहर निकले और जिला अस्पताल ले गए जहां चिकित्सको ने उसे मृतक घोषित कर दिया। सूचना परिवार में कोहराम मच गया। बता दें कि खम्हौरा निवासी अभिषेक गौतम 15 वर्ष पुत्र शिव प्रसाद गौतम घर से खेत देखने गया था कि उसी के बगल में तालाब था और बच्चे का पर फिसल कर तालाब में डूबने लगा स्थानीय लोगों ने शोर मचाया तो और लोग झूठ कर काफी मशक्कत के बाद तालाब से बाहर निकाल और उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करंजाकला ले गए जहां मौके पर डॉक्टर मौजूद नहीं थे। फार्मासिस्ट सत्यालाल यादव ने बच्चों को देखते जिला अस्पताल के लिए भेज दिया। जिला अस्पताल ले गए जहां पर चिकित्सकने उसे मृतक घोषित कर दिया। इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक अभिषेक दो बड़ी बहन और दो भाइयों में सबसे बड़ा था। थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि इसकी जानकारी नहीं है ना ही कोई सूचना मिली है इसका पता करवा रहा हूं।

राजकीय आई.टी.आई. सिद्दीकपुर कैम्पस में रोजगार मेला का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। निदेशक, सेवायोजन उ.प्र., लखनऊ एवं जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय के तत्वाधान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिद्दीकपुर कैम्पस जौनपुर में 30 अक्टूबर 2025 को प्रातः 10:00 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की विभिन्न कम्पनियों में रोजगार हेतु योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाना है, जिसकी शैक्षिक योग्यताः- हाईस्कूल, इण्टर, आई०टी०आई०, एवं स्नातक उत्तीर्ण आयुसीमा 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थियों को कैम्पस सलेक्शन करेंगी। जिसमें अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए, पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त करें।

जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया की रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आई०डी०प्रूफ बायोडाटा सहित प्रतिभाग करेंगे एवं सेवायोजन वेब पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कर अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

संदिग्ध हालत में मिली पेड़ से लटकी छात्रा की लाश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के नरहन चकरारेत ढाबे के पास कक्षा नौ की छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटकती हुई लाश देखकर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गयी।

ज्ञात हो कि केराकत क्षेत्र के नरहन निवासी रामनाथ चौहान की पुत्री रेश्मा चौहान क्षेत्र के ही शिव मूर्ति इंटर कॉलेज की छात्रा थी। छात्रा कक्षा 9 की बताई जा रही है। बुधवार की सुबह रेश्मा की लाश एक ढाबे के पास स्थित पेड़ पर गले में फंदे से लटकती हुई लाश देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। घटना की खबर सुनकर लोगों की भारी संख्या में भीड़ लग गई हालांकि कुछ पहचान के लोगों ने तुरंत मृतका के भाई को घटना को बताया तो वह आनन फानन में वहां पहुंच गया। मृतक रेश्मा के भाई सरदार चौहान ने बताया कि पिता मुंबई में नौकरी करते हैं। मां ननिहाल गई हुई थीं।सूचना पर सीओ अजीत कुमार रजत व इंस्पेक्टर दीपेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गयें और लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ. कौश्तुंभ ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस कार्यालय जौनपुर में बुधवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ०कौश्तुंभ ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्रत्येक शिकायत का विवरण लेकर संबंधित थानाध्यक्षों एवं अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एसपी ने कहा कि फरियादियों को त्वरित न्याय दिलाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि हर शिकायत पर समयबद्ध निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए ताकि आमजन का पुलिस पर भरोसा और मजबूत हो सके। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों ने भूमि विवाद, पारिवारिक झगड़े, साइबर फ्रॉड और स्थानीय विवादों से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराईं। एसपी ने मौके पर कई मामलों में तत्काल जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उक्त मौके पर पुलिस अधीक्षक जौनपुर कार्यालय में अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव,क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता रहे मौजूद।

झोला छाप ने ली प्रसूता की जान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद बदलापुर परिसर से ठीक दो सौ मीटर पर धड़ल्ले से गैर पंजीकृत लगभग दस निजी हास्पिटल है जहा हर रोग के इलाज करने वाले झोलाछाप डाक्टर बैठे रहते है। अनपढ गाव के लोग इनके बहकावे मे आकर अपनी जान गवा बैठते है, बताते हे कि सरोखनपुर वार्ड नौ की निवासी पिन्टू दलित की 28 वर्षीया पत्नी सुषमा बीते रात सुमन पाली चिकित्सालय बदलापुर मे भर्ती हुई।

जहा आपरेशन से बच्चा पैदा हुआ। बच्चा जौनपुर मे एक निजी हास्पिटल मे भर्ती है इधर महिला की हालत बिगड गई। आन न फानन में उसे जौनपुर ले गये। वहा इन्कार करने पर वाराणसी ले गये किन्तु महिला ने दम तोड दिया। परिजन एव साथ मे ,रहे लोग शव अस्पताल बदलापुर ले आये जहां आपसी सुलह समझौते पर मामला रफा दफा हुआ शव का परिजनो ने दाह संस्कार कर दिया। बताया गया है कि ऐसा प्रकरण कई हो चुका है लेकिन कार्यवाही नहीं होती और कुछ लोग ले देकर मामला सलटा कर इस प्रकार के अस्पताल संचालकों का हौसला बलन्द करते है। इन सबमें स्वास्थ्य विभाग की पूरी मिली भगत बतायी जा रही है।

वाराणसी नगर निगम ने उत्तर प्रदेश ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं स्वच्छता नियमावली 2021 को लागू किया

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में शहर में थूकने पर 250 रुपये और पालतू कुत्ते के मल त्याग करने पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने बताया कि जुर्माने के लिए कुल 33 अलग-अलग कैटेगरी हैं। बताया कि नगर निगम ने उत्तर प्रदेश ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं स्वच्छता नियमावली 2021 को लागू कर दिया है। अब जुर्माने के साथ एफआईआर भी होगी। नगर आयुक्त ने सभी विभागाध्यक्षों, जोनल अधिकारियों, सहायक अभियन्ता, अवर अभियंता, स्वास्थ्य निरीक्षकों, राजस्व निरीक्षकों को नई नियमावली की बुक दी। साथ ही नियमों के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए।

स्वच्छता की नई नियमावली के तहत जुर्माना

किसी खाली जमीन भूमि, खेल का मैदान, उद्यान में गंदगी करने पर पहली बार 500 रुपये का जुर्माना। जल स्त्रोत के किनारे, नदी, जलमार्ग, सीवर, पूजा-सामग्री को प्रवाहित करना, फेंकने पर 750 का जुर्माना।

सार्वजनिक पथ, निजी पथ, खाली मैदान पर जो किसी पथ, सड़क, फुटपाथ, सड़क डिवाइडर के पास हो पर गंदगी करने पर 500 जुर्माना। शैक्षणिक संस्थाएं, चिकित्सालय, अन्य स्वास्थ्य देखभाल संबंधित संस्थाएं, धार्मिक स्थल, विरासत वाली इमारतों के पास गंदगी करने पर 750 जुर्माना। जान-बूझकर परिसर, संपत्ति में किसी भी अपशिष्ट, मलबे, गंदगी को रखने या जमा करने पर 500 का जुर्माना।

नगरीय स्थानीय निकाय की सीमा के भीतर वाहन चलाते समय या फिर खड़े वाहन से या किसी वाहन से यात्रा करते समय सड़क पर कूड़ा फेंकने या थूकने पर 1000 रुपये का जुर्माना। प्रतिबंधित प्लास्टिक / थमाकोल या किसी अन्य ऐसी

सामग्री के उत्पादन, वितरण, भंडारण या बिक्री में लिप्त होने पर 2000 का जुर्माना। स्वास्थ्य के लिए हानिकारक प्रतिबंधित प्लास्टिक, थमाकोल या किसी ऐसी सामग्री का उपयोग करने पर 2000 का जुर्माना। थूकने, पेशाब करने, मल त्यागने, जानवरों के खिलाने के उद्देश्य से खाद्य सामग्री को छोड़ना/जमा करना, जिससे कूड़े-कचरे का बिखराव हो, ऐसे में 250 का जुर्माना। गंदगी को किसी जमीन में दफन करने और जलाने पर 250 का जुर्माना। बिना ढके अपशिष्ट/कूड़ा ले जाने पर 2000 का जुर्माना। पालतू जानवरों को किसी सार्वजनिक स्थान पर मलत्याग कराने और फेंकने पर 500 का जुर्माना।

किसी पालतू जानवर का मल सीवर में बहाने पर 500 का जुर्माना। निर्माण एवं विध्वंश/अपशिष्ट या किसी प्रकार के मलबे को फेंकने पर 3000 का जुर्माना।

अपशिष्ट फैलाने पर 200 रुपये प्रतिमाह जुर्माना। निर्माण एवं विध्वंसक ठोस अपशिष्ट उत्सर्जकों का उल्लंघन करने पर 2000 जुर्माना। उद्यान अपशिष्ट, पेड़ों की छाल और कतरनों को फेंकने पर 200 का जुर्माना। मत्स्य कुक्कुट और मांस अपशिष्ट फेंकने पर 750 प्रतिमाह का जुर्माना। किसी थोक अपशिष्ट उत्सर्जक की ओर से अपशिष्ट का भंडारण करने पर प्रति सप्ताह 1000 का जुर्माना। नगरीय स्थानीय निकाय में बिना रजिस्ट्रीकरण अपशिष्ट संग्रहण करने 500 प्रति अपराध जुर्माना। नालों/मल नालियों/सोक पिट से जल स्त्रोतों को गंदा करने पर 500 जुर्माना। किसी ऐसी सामग्री को नाली में डालना। जिससे नाली के टूटने का खतरा होने पर 500 जुर्माना। नाला, मैनहोल, सीवर लाइन जाम करने पर 1000 जुर्माना। औद्योगिक बहिस्त्राव पर 5000 जुर्माना। बगैर सुरक्षा उपकरण के मैनहोल व सेप्टिक टैंक का काम कराने पर 5000 का जुर्माना। कहीं पर जलभराव को एकत्र करने और विषाणु पैदा होने पर 5000 का जुर्माना। बाजार में जैव नाशक सामान फेंकने पर प्रतिदिन 25 रुपये का जुर्माना। सामूहिक आयोजन के 12 घंटे बीतने बाद गंदगी करने पर स्वच्छता के लिए जमा धनराशि जब्त होगी, नगरीय स्थानीय निकाय की सीमा से बाहर निवास करने वाले लोग नगर निगम सीमा में कूड़ा फेकेंगे तो 1000 प्रतिदिन जुर्माना। नगरीय सीमा के सीमांत गांव की ओर से कूड़ा फेंकने पर प्रतिदिन 1000 का जुर्माना। कूड़ा उठाने वाले उपकरण और गाड़ियों को क्षतिग्रस्त करने, हटाने पर 2000 रुपये का जुर्माना। जलस्त्रोतों में मानव शव या पशुओं के शवों का निस्तारण करने पर 3000 जुर्माना। भंडारा, लंगर के बाद सफाई न कराने पर 2000 जुर्माना।

सरदार पटेल की जयंती : एकता की पदयात्रा से गूंजेगा बनारस

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प के साथ बनारस आगामी 31 अक्तूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी की प्रेरणा से आयोजित इस विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत शहर में एकता पदयात्रा का आयोजन होगा, जो सरदार वल्लभभाई पटेल के भारत एकीकरण में योगदान को नमन करेगी। इस दौरान यूनिटी मार्च पोस्टर का संयुक्त रूप से विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला युवा अधिकारी यतेंद्र सिंह ने बताया कि यह पदयात्रा प्रातः 7 बजे सरदार पटेल चौराहा, मलदहिया से प्रारंभ होकर आईपी मॉल, एवीएन भारत सेवा संघ मार्ग होते हुए डा. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तक

पहुंचेगी। यात्रा में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं व स्वयंसेवी संगठनों की सहभागिता रहेगी। उन्होंने बताया कि यह केवल एक प्रतीकात्मक यात्रा नहीं, बल्कि जनपद में सामाजिक एकता, स्वच्छता और जनजागरूकता का उत्सव है। इस क्रम में चित्रकला प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग, निबंध लेखन तथा स्वच्छता अभियान जैसे कार्यक्रम भी एनएसएस इकाइयों के सहयोग से आयोजित किए जा रहे हैं। एनएसएस नोडल अधिकारी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि जिले के सभी कॉलेजों में राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राएं एकता, स्वच्छता और देशप्रेम के भाव को लेकर सक्रियता से कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। उनके प्रयासों की रिपोर्ट और फोटोग्राफ मुख्य कार्यक्रम से पूर्व प्रशासन को सौंपी जाएंगी। प्रेस वार्ता में नीतिश कुमार राय (जिला युवा कल्याण अधिकारी), डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, राकेश कुमार यादव (स्वयंसेवक संगठन प्रतिनिधि) तथा देवेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि 31 अक्तूबर केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि एकता और समरसता की उस भावना को पुनर्जीवित करने का अवसर है, जिसे सरदार पटेल ने अपने कर्म और संकल्प से साकार किया था।

सादगी के प्रतीक एवं विकास पुरूष थे लक्ष्मी शंकर यादव: प्रो. राकेश यादव

लक्ष्मी शंकर यादव की 30 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य, उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मी शंकर यादव की 30वीं पुण्य तिथि दिनांक 29 अक्टूबर, 2025 को जौनपुर स्थित रिवर व्यू होटल सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ।

स्व. लक्ष्मी शंकर यादव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर राकेश कुमार यादव ने उन्हें भारतीय राजनीति में ईमानदारी, शुचिता, सादगी के प्रतीक एवं विकास पुरूष बताया। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में शिक्षाविद् एवं संपादक डॉक्टर ब्रजेश कुमार यदुवंशी देश एवं प्रदेश में उनके योगदान को याद करते हुए संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य, विधायक, सांसद एवं लोक निर्माण विभाग में मंत्री के रूप में उनकी सेवाओं को विस्तार से बताया। रघुनाथ नाथ यादव, जिलाध्यक्ष, राष्ट्रीय लोक दल ने खुटहन विधानसभा में उनके द्वारा बिछाए गए सड़कों के जाल के बारे में बताया।

प्रो.राज बहादुर यादव, कार्यक्रम समन्वयक, एनएसएस, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर ने उन्हें जन नेता बताया। प्रोफेसर के.बी.यादव ने खुटहन विधानसभा में उनके द्वारा कराए गए कार्यों को विस्तार से बताते हुए उन्हें लोकप्रिय जन नेता कहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. आशाराम, पूर्व अध्यक्ष, मध्यमिक शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज ने किया। इस अवसर पर प्रो. रणधीर,डॉक्टर राज कुमार यादव,आनन्द देव, डॉक्टर नीरज सिंह, संदीप कुमार यादव आदि उपस्थित रहे।

मौका मिला तो महाराजगंज बनेगा जिला: विशाल

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज के राजद प्रत्याशी विशाल जायसवाल ने बताया कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान हर गांव की जनता महाराजगंज को जिला बनाने की मांग कर रही है। बुधवार को क्षेत्र भ्रमण के बाद राजद प्रत्याशी ने कहा कि अगर तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद की सरकार बनी तो एक माह में महाराजगंज अनुमंडल जिला बनेगा। महाराजगंज अनुमंडल 1991 में लालू यादव ने अनुमंडल का शिलान्यास महाराजगंज में रखा था, फिर लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव को सीएम बनने पर महाराजगंज जिला बनेगा। बस जनपद की आशीर्वाद की जरूरत है। मौका दिया तो क्षेत्र के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। महाराजगंज को जिला बनाना पहली प्राथमिकता होगी। कहा कि कुछ विरोधी हमें बाहरी कह के बदनाम करने की साज़िश कर रहे हैं। मैं महाराजगंज में हीं निवास रखूंगा। जनता सच्चाई जानती है हमारे पिता सीवान के एम एल सी हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वे विकास के लिए मतदान करें। मौके पर पार्टी के पूर्व प्रदेश सचिव अरविंद गुप्ता ,राकेश गुप्ता, शिवजी प्रसाद,आनंद महत्व, कन्हैया यादव आदि लोग मौजूद थे।

नगर पंचायत के ट्रैक्टर से बच्चा जख्मी, रेफर

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज नगर पंचायत के वार्ड 10 इंदौली ग्राम मे नगर पंचायत के कचरा प्रबंधन की गाड़ी से सोनू कुमार के दो वर्षीय बच्चा जख्मी हो गया। जिससे उस बच्चे की पैर जख्मी हो गया है। बच्चा गरीब परिवार का है। बेहतर इलाज के लिए सीवान ले जाया गया है। नगर पंचायत के तरफ से दस हजार रुपया दिए जाने की बात लोगों द्वारा बताई जाती है। इलाज तक खर्च देने का भी आश्वासन दिया गया है। ग्रामीण लोग महाराजगंज प्रशासन से आग्रह कर रहे है कि इन्हे सहयोग मिले ताकि बच्चे की जिंदगी खुशहाल हो।

होटल में देह व्यापार का खुलासा, बंगाल की 4 लड़कियां पकड़ी गई, होटल मालिक नदारद

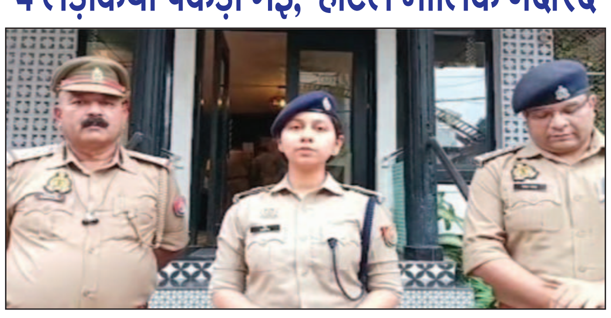

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के कैंट इलाके में देह व्यापार का एक और शर्मनाक मामला सामने आया है। एडीसीपी वरुणा नीतू कादयान की अगुवाई में कैंट पुलिस ने एक होटल पर छापा मारा तो अंदर का नजारा पुलिसवालों को भी चौंका गया। होटल में नियम-कानून की धज्जियां उड़ाते हुए देह व्यापार का धंधा धड़ल्ले से चल रहा था। मौके से 4 युवतियां बरामद की गईं,जो पश्चिम बंगाल की बताई जा रही हैं। कमरों से आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ। 2-3 कमरे ताला लगे मिले, जिन्हें पुलिस ने तलाशी शुरू की है। होटल मालिक फरार हो गया। जांच में खुलासा हुआ कि एक ट्रैवल एजेंसी का मालिक बाहर से लड़कियां मंगवाता है और ओयो, बजट होटल्स में ठहराकर ग्राहकों तक पहुंचाता है। पुलिस ने होटल मालिक,मैनेजर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। एडीसीपी नीतू कादयान ने कहा, हम जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहे हैं। होटल संचालकों को चेतावनी दी जाती है कि बिना वैध आईडी के किसी को कमरा न दें।उल्लंघन पर लाइसेंस रद्द होगा। ट्रैवल एजेंसी के ठिकाने पर दबिश की तैयारी चल रही है।

निजीकरण नहीं चलेगा, हर प्रारूप का होगा विरोध

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के बैनर तले बुधवार को बनारस के बिजली कर्मियों ने पूर्वांचल व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। यह आंदोलन प्रदेश के सभी जनपदों में एकसाथ आयोजित किया गया। वक्ताओं ने बताया कि 10 अक्टूबर 2025 को हुई ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (GoM) की बैठक में उत्तर प्रदेश सहित छह प्रान्तों–आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और तमिलनाडु–को स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि वे निजीकरण के लिए दिए गए तीन विकल्पों में से किसी एक को स्वीकार करें, अन्यथा केंद्र सरकार से मिलने वाली वित्तीय सहायता बंद कर दी जाएगी। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने इस चेतावनी को केंद्र द्वारा किया जा रहा आर्थिक दबाव और ब्लैकमेलह्व करार दिया।

मीटिंग के जारी मिनट्स के अनुसार, पहला विकल्प–51% इक्विटी निजी कंपनियों को बेचना। इस स्थिति में सरकार अस्थिर कर्ज अपने ऊपर लेगी और निजी कंपनियों को 0% ब्याज पर 50 वर्षों के लिए सहायता देगी। दूसरा विकल्प–डिस्कॉम्स का प्रबंधन निजी क्षेत्र को देना, जिसके लिए 5 वर्षों तक ग्रांट देने का प्रस्ताव है। तीसरा विकल्प विद्युत वितरण कंपनियों की स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग। इसके लिए कंपनियों की ए ग्रेडिंग अनिवार्य की गई है। संघर्ष समिति ने कहा कि ये सभी तीनों विकल्प ह्यनिजी घरानों के हित में हैं और सार्वजनिक क्षेत्र के विनाश की दिशा में कदम हैं। संघर्ष समिति ने इस पर कड़ा एतराज जताया कि ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की मीटिंग में ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन के पदाधिकारियों को किस अधिकार से बुलाया गया समिति ने आरोप लगाया कि यह संगठन निजी कंपनियों और सरकार के बीच बिचौलिए की भूमिका निभा रहा है। सरकारी बैठक में इनकी उपस्थिति इस आरोप को सही साबित करती है। संघर्ष समिति ने कहा कि यह बैठक स्पष्ट संकेत देती है कि उत्तर प्रदेश सहित कम से कम छह राज्यों में निजीकरण की तैयारी तेज हो चुकी है। उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मी 336 दिनों से लगातार आंदोलनरत हैं, और 3 नवंबर को मुंबई में देश के अन्य प्रांतों के बिजली कर्मियों के साथ मिलकर संयुक्त संघर्ष की रणनीति तय की जाएगी। संघर्ष समिति ने साफ कहा निजीकरण का कोई भी विकल्प स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह जनता और बिजली उपभोक्ताओं दोनों के खिलाफ है। सभा को संबोधित करने वालों में ई. मायाशंकर तिवारी, ई. एस.के. सिंह, हेमंत श्रीवास्तव, अरविंद कौशनंदन, बृज सोनकर, प्रवीण सिंह, रंजीत पटेल, योगेंद्र कुमार, अलका कुमारी, पूजा कुमारी, धनपाल सिंह, मनोज यादव और एस.के. सरोज प्रमुख रहे।